www.shabdawanisamachar.page | राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र | RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

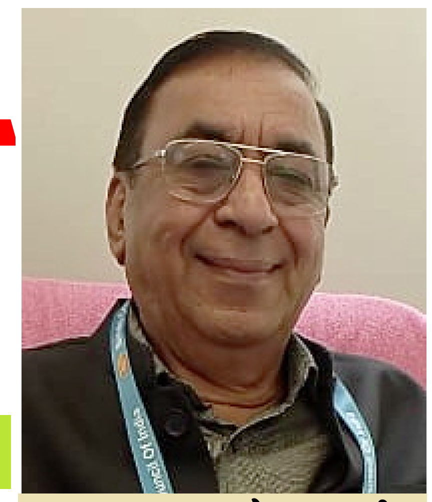

सलाहकार संपादकः अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 285 नई दिल्ली, शनिवार, 08 अगस्त, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

दिल्ली में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना का रास्ता साफ, कैबिनेट ने विधेयक के मसौदे को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने राजधानी में निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना का रास्ता साफ करते हुए संबंधित विधेयक के मसौदे को मंजूरी दे दी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्तावित विधेयक को स्वीकृति दी गई। विधेयक को अब दिल्ली विधानसभा में पेश किया जाएगा।

सरकार का कहना है कि इसके लागू होने से दिल्ली उच्च शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनेगी और छात्रों को बेहतर शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों या विदेश जाने की आवश्यकता कम होगी।

प्रस्तावित कानून के तहत दिल्ली में निजी विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए स्पष्ट कानूनी ढांचा तैयार किया जाएगा।

राजधानी में भूमि की सीमित उपलब्धता को देखते हुए बड़े पारंपरिक कैंपस की अनिवार्यता नहीं होगी। इसके स्थान पर बहुमंजिला और आधुनिक शहरी परिसर विकसित करने की अनुमति दी जाएगी।

विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन भूमि के आकार के बजाय शिक्षा की गुणवत्ता, शोध, आधारभूत संरचना, छात्र सुविधाओं और संस्थागत प्रशासन के आधार पर किया जाएगा।

विधेयक में दिल्ली के विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक पाठ्यक्रम में लागू आरक्षण नीति के अनुरूप 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित रखने का प्रावधान किया गया है।

साथ ही सभी निजी विश्वविद्यालयों में पारदर्शी और भेदभावरहित प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।

निजी विश्वविद्यालयों की निगरानी के लिए दिल्ली प्राइवेट यूनिवर्सिटीज रेगुलेटरी अथॉरिटी का गठन किया जाएगा।

यह प्राधिकरण शिक्षण, शोध, प्रवेश, परीक्षा, छात्र अभिलेख और संस्थानों के समग्र प्रदर्शन की निगरानी करेगा तथा आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक निर्देश जारी कर सकेगा। किसी भी विश्वविद्यालय को मंजूरी देने से पहले वरिष्ठ अधिकारियों, शिक्षाविदों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रतिनिधियों और वित्त विशेषज्ञों की समिति प्रस्तावों की विस्तृत जांच करेगी।

सरकार के अनुसार सभी निजी विश्वविद्यालय स्व-वित्तपोषित होंगे और उन्हें नियमित सरकारी अनुदान नहीं मिलेगा। हालांकि, वे शोध परियोजनाओं के लिए उपलब्ध वित्तीय सहायता योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे दिल्ली को वैश्विक शिक्षा और नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

वहीं, शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि प्रस्तावित कानून राजधानी के युवाओं को अपने ही शहर में विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाएगा।

सीमा पार आतंकवाद खत्म होने पर ही पाकिस्तान से सामान्य द्विपक्षीय संबंध संभव : सरकार

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। केन्द्र सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि पाकिस्तान के साथ सामान्य द्विपक्षीय संबंध तभी संभव हैं, जब वह सीमा पार आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त माहौल सुनिश्चित करे। सरकार ने स्पष्ट किया कि सीमा पार आतंकवाद और उससे जुड़ा ढांचा समाप्त करना भारत की स्पष्ट और अटल नीति है।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त माहौल में ही आगे बढ़ सकते हैं। हालांकि, पाकिस्तान से प्रायोजित सीमा पार आतंकवाद अब भी जारी है और आतंकवाद का इस्तेमाल भारत के विरुद्ध आधिकारिक नीति के रूप में किया जा रहा है। सरकार ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' (एमएफएन) का दर्जा वापस ले लिया था तथा पाकिस्तान से आयातित सभी वस्तुओं पर सीमा शुल्क बढ़ाकर 200 प्रतिशत कर दिया गया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भी भारत के साथ राजनयिक संबंधों को कम करने और द्विपक्षीय व्यापार निलंबित करने जैसे एकपक्षीय कदम उठाए।

उत्तर में कहा गया कि 22 अप्रैल 2025 को पाकिस्तान प्रायोजित पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कई राजनयिक कदम उठाए। इनमें सिंधु जल संधि को स्थगित करना, अटारी में चेक पोस्ट को बंद करना, वीजा सेवाओं पर रोक लगाना तथा दोनों देशों के राजनयिक मिशनों में अधिकारियों की संख्या कम करना शामिल है।

इसके साथ ही पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी ठिकानों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई भी की गई। सरकार ने बताया कि वर्तमान में दोनों देशों में एक-दूसरे की राजधानियों में सीमित स्तर पर राजनयिक मिशन कार्यरत हैं। दोनों देशों के बीच केवल आवश्यक कार्यात्मक संपर्क जारी हैं, जिनमें महानिदेशक सैन्य संचालन (डीजीएमओ) स्तर की वार्ता, बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों की पूर्व सूचना का आदान-प्रदान, परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान तथा एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद मछुआरों और नागरिक कैदियों की जानकारी साझा करना शामिल है। सरकार ने कहा कि भारत ने सीमा पार आतंकवाद और उससे जुड़े ढांचे के प्रति अपनी नीति स्पष्ट कर दी है तथा नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। सरकार ने कहा कि सामान्य द्विपक्षीय संबंधों की बहाली के लिए सीमा पार आतंकवाद का पूर्णतः समाप्त होना अनिवार्य शर्त है।

सार संक्षेप

मोदी ने बुनकरों को किया सलाम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं व देश की सदियों पुरानी हथकरघा परंपरा को नमन करते हुए इस क्षेत्र के विकास व संरक्षण को केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मोदी ने कहा कि हथकरघा क्षेत्र ग्रामीण सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण व आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एआईएमआईएम पार्षद गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक पुलिस ने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण मामले की आरोपी को शरण और मदद देने के आरोप में एआईएमआईएम के एक पार्षद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, छत्रपति संभाजीनगर के पार्षद मतीन पटेल को गुरुवार को हिरासत में लिया गया।

दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा होगी और कड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने 15 अगस्त के मद्देनजर सुरक्षा व्यस्था को लेकर शुक्रवार को यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए डीएमआरसी ने यात्रियों को सलाह दी है कि 9 अगस्त से 16 अगस्त 2026 तक यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलें। डीएमआरसी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस से पहले सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाया गया है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा यात्रियों की सुरक्षा जांच को और अधिक तेज किया जाएगा। यह बढ़ी हुई सुरक्षा जांच सभी मेट्रो स्टेशनों पर लागू होगी।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में किया साफ

'एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर लागू नहीं'

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति और जनजाति यानी एससी-एसटी में 'क्रीमी लेयर' लागू करने की मांग को सुप्रीम कोर्ट में सिरे से खारिज किया है। केंद्र ने कहा कि एससी-एसटी के लिए आरक्षण सिर्फ आर्थिक आधार पर नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति को ध्यान में रखकर दिया गया है। इनके साथ होने वाला भेदभाव इनकी आय या आर्थिक स्थिति से समाप्त नहीं हो जाता। इसलिए ओबीसी यानी अन्य पिछड़ा वर्ग

की तरह एससी-एसटी में 'क्रीमी लेयर' लागू नहीं किया जा सकता। क्रीमी लेयर का प्रयोग ओबीसी समुदाय के उस तबके के लिए होता है, जो आर्थिक और सामाजिक रूप से समृद्ध हो चुका है। इस तबके को ओबीसी आरक्षण का लाभ नहीं मिलता है। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला रमाशंकर प्रजापति और अश्विनी उपाध्याय की याचिका से जुड़ा है।

अदालत को बदलाव का अधिकार नहीं : सरकार

सरकार ने कहा कि एससी/एसटी सूची में बदलाव संसद ही कर सकती है। न तो राज्य, न कोर्ट, न अन्य प्राधिकरण इन सूचियों में बदलाव का अधिकार रखता है। आरक्षण की संरचना में बदलाव की मांग संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। याचिकाकर्ता ने कहा कि जिन्हें एससी-एसटी कोटे का लाभ मिल गया, जिनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति बेहतर हो चुकी है, उन्हें इसका लाभ नहीं मिलना चाहिए।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने कोर्ट में रखीं दलीलें, अगली सुनवाई 10 अगस्त को

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। राऊज एवेन्यू कोर्ट के पेपर लीक मामले की सुनवाई करनेवाली फास्ट ट्रैक कोर्ट में शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मामले पर दलीलें रखी। स्पेशल जज अजय गुप्ता ने संज्ञान लेने पर अगली सुनवाई 10 अगस्त को करने का आदेश दिया।

कोर्ट ने सीबीआई के वकील वीके पाठक और अर्जुन आनंद की दलीलें सुनी। सीबीआई की ओर से कहा गया कि इस मामले में 12 मई को एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके तुरंत बाद 72 अफसरों और 8 साइबर फोरेंसिक विशेषज्ञों की मदद से जांच शुरू की गई। सीबीआई ने महाराष्ट्र, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और दूसरे

राज्यों के 92 स्थानों पर छापे मारे। इस मामले में पहली गिरफ्तारी 13 मई को की गई थी। सीबीआई ने 13 लोगों को आरोपित बनाया है, जिनमें यश यादव, मांगीलाल बिवाल, दिनेश बिवाल, विकास बिवाल, शुभम खैरनार, धनंजय लोखंडे, प्रहलाद कुलकर्णी, तेजस हर्षद कुमार, डॉ. मनोज शिरुरे, शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर, मनीषा वाघमारे, मनीषा मंधारे और मनीषा संजय हवलदार हैं। ये सभी आरोपित अभी न्यायिक हिरासत में हैं। सीबीआई ने इन सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 315(5), 318(4), 61(2), 238, 303(2), भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धारा 13(2) और 13(1)(ए) और पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट की धारा 10, धारा 3, 4, 5 और 11 के तहत एफआईआर दर्ज की है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 24 जुलाई को नीट पेपर लीक मामले की तेजी से सुनवाई के लिए राऊज एवेन्यू कोर्ट में फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का आदेश दिया था।

रांची में छात्र आंदोलन के दौरान बवाल

- आईसा अध्यक्ष नेहा बोरा पर फेंकी गई स्याही
- परीक्षा में धांधली के खिलाफ विधानसभा घेरने निकली थीं

रांची, 7 अगस्त (एजेसियां)। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित धांधली, पेपर लीक और सुधारों की मांग को लेकर वाम छात्र संगठनों की ओर से शुक्रवार को निकाले गए मार्च के दौरान उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा पर एक युवक ने अचानक काली स्याही फेंक दी।

घटना के वक्त बिरसा चौक पर हजारों की संख्या में छात्र हाथों में तिरंगा और तख्तियां लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ में मौजूद एक युवक ने 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए नेहा बोरा पर स्याही फेंकी। इस अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और प्रदर्शनकारियों ने जमकर हंगामा किया। मौके पर तैनात मुस्तैद पुलिस बलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। पुलिस हिरासत में लिए गए आरोपी ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि वह नेहा बोरा को 'राष्ट्रविरोधी' और उमर खालिद का समर्थक मानता है, जिसके विरोध में उसने यह कदम उठाया। दूसरी ओर, आइसा के नेताओं ने इस हमले के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी से जुड़े लोगों का हाथ होने का सीधा आरोप लगाया है।

अमेरिका में पहली बार 'बर्थ टूरिज्म' पर रोक

वॉशिंगटन, 7 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जन्म के आधार पर मिलने वाली अमेरिकी नागरिकता को सीमित करने और 'बर्थ टूरिज्म' पर रोक लगाने के लिए दो नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब कुछ सप्ताह पहले ही अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर ट्रंप के पहले आदेश को खारिज कर दिया था। पहले आदेश का उद्देश्य उन लोगों पर कार्रवाई करना है जो केवल बच्चे को अमेरिका में जन्म दिलाने के लिए

बर्थराइट सिटीजनशिप बनी मजाक : ट्रंप

वहां आते हैं। इसे 'बर्थ टूरिज्म' कहा जाता है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि ऐसे लोग पर्यटन वीजा का इस्तेमाल करते हैं, जबकि उनका असली मकसद बच्चे को अमेरिका में जन्म देकर उसे अमेरिकी नागरिक बनवाना होता है।

अमेरिकी अदालत ने पहले आदेश को किया था खारिज

तीस जून को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के पहले कार्यकारी आदेश को रद्द कर दिया था। अदालत ने कहा था कि 100 वर्षों से चली आ रही संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार, अमेरिका में जन्म लेने वाले लगभग सभी लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिलती है।

दुष्कर्म मामले में नारायण साईं को शीर्ष अदालत से झटका

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दुष्कर्म मामले में खुद को भगवान बताने वाले आसाराम के बेटे नारायण साईं की सजा पर रोक लगाने से इनकार करने वाले गुजरात हाईकोर्ट के आदेश में दखल देने से मना कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि वह सजा के खिलाफ उसकी आपराधिक अपील पर तीन महीने के अंदर फैसला करने की कोशिश करे। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने साईं की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) का निपटारा करते हुए गुजरात हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि वह उसकी लंबित अपील पर जल्द से जल्द, और हो सके तो तीन महीने के अंदर सुनवाई करके फैसला करे। सुप्रीम कोर्ट में दायर अपनी एसएलपी में, साईं ने गुजरात हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ने राज्य में चीनी सेना की घुसपैठ की खबरों को खारिज किया

इटानगर, 07 अगस्त (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य में चीनी सेना की घुसपैठ की खबरों को खारिज कर दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वे स्थानीय लोगों, भारतीय सेना और नाह वेलफेयर सोसाइटी से बात करके इन दावों की पुष्टि करेंगे।

मुख्यमंत्री खांडू ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक सवाल पर कहा कि वे कोई भी बयान देने से पहले वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास चीनी सेना की कथित गतिविधियों के बारे में और जानकारी

जुटाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें नहीं लगता कि कोई घुसपैठ हुई है, क्योंकि भारतीय सेना के जवान वहां तैनात हैं।

मुख्यमंत्री का यह बयान नाह वेलफेयर सोसाइटी द्वारा भारत-चीन सीमा पर टाक्सिंग के पास चीनी सेना की कथित गतिविधियों पर चिंता जताने और इससे जुड़ी खबरों के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आया है। सोसाइटी ने दावा किया था कि भारतीय सेना ने पिछले एक महीने में इस इलाके में अपनी तैनाती बढ़ाई है और भारतीय सैनिकों का चीनी कर्मियों से हाल ही में आमना-सामना हुआ है। जो सोशल मीडिया में भी वायरल है।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश के गृहमंत्री एम. नाटुंग ने भी चीनी घुसपैठ की खबरों को खारिज करते हुए उन्हें अफवाह बताया था और मीडिया से अपील की थी कि वे ऐसी खबरों को छापने से पहले उनकी सच्चाई की जांच कर लें।

राज्यसभा में अमित शाह की मौजूदगी की मांग पर किरेन रिजिजू का जवाब, बोले- मंत्री कब सदन में आएंगे, यह विपक्ष तय नहीं कर सकता

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। राज्यसभा में शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग को लेकर विपक्ष के विरोध पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कोई मंत्री सदन में कब आएगा। रिजिजू ने स्पष्ट किया कि राज्यसभा के सभापति ने किसी मंत्री को सदन में मौजूद रहने का कोई निर्देश नहीं दिया है। रिजिजू ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सुबह से ही संसद में मौजूद रहते हैं। हालांकि, किसी मंत्री का सदन में आना उस समय के निर्धारित कामकाज पर निर्भर करता है। यदि उनके मंत्रालय से संबंधित कोई कार्य सूचीबद्ध होता है, तभी मंत्री का सदन में उपस्थित होना आवश्यक होता है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने किसी मंत्री को सदन में उपस्थित रहने का निर्देश नहीं दिया है। रिजिजू का यह बयान विपक्ष की ओर से गृह मंत्री अमित शाह को सदन में बुलाने की लगातार मांग के बीच आया। दरअसल, 6 अगस्त को राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने संसदीय कार्य मंत्री से विपक्ष की मांग को गृह मंत्री तक पहुंचाने को कहा था। सभापति ने कहा था कि विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे

संक्षिप्त समाचार

हाई कोर्ट ने केंद्र से पूछा- आप जंतर-मंतर इलाके को विरोध-प्रदर्शन के लिए बंद क्यों नहीं करते?

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सरकार से पूछा है कि वह जंतर-मंतर इलाके को विरोध प्रदर्शन की जगह के तौर पर बंद करने पर विचार क्यों नहीं कर रही है। जस्टिस अमित महाजन की बेंच ने कहा कि शहर के बीचो बीच होने वाले ऐसे विरोध प्रदर्शनों की वजह से शहर को बेवजह बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय ने ये टिप्पणी ऑल इंडिया दलित क्रिश्चियन राइट्स प्रोटेक्शन कमेटी की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याचिका में दिल्ली पुलिस को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति मांगने वाली अर्जी पर फैसला लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील संजय घोष ने कहा कि पुलिस ने न तो अनुरोध को खारिज किया है और न ही उसे मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि हम कह रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा 75 लोग आएंगे, लेकिन दिल्ली पुलिस जुलाई से याचिकाकर्ता की अर्जी पर कोई फैसला नहीं ले रही है। उन्होंने इसे खारिज भी नहीं किया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकार की ओर से पेश एएसजी चेतन शर्मा से पूछा कि आप जंतर-मंतर को बंद क्यों नहीं करते हैं। मेरे हिसाब से शहर में ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए, लेकिन यह फैसला सरकार को करना है। शहर को बेवजह बंधक क्यों बनाया जाए। तब शर्मा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का भी ऐसा ही आदेश है। उच्चतम न्यायालय भी एक याचिका पर विचार कर रहा है कि जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शन के लिए तय जगह बनाया जा सकता है या नहीं। तब जस्टिस महाजन ने कहा कि मेरे हिसाब से ऐसा नहीं होना चाहिए। तब याचिकाकर्ता के वकील घोष ने पूछा कि क्या केंद्र का यह रुख है कि दिल्ली में कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हो सकता है। घोष ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने शाहीन बाग मामले में कहा है कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार है। तब जस्टिस महाजन ने कहा कि बिल्कुल, लेकिन शहर को बंधक तो न बनाएं।

शाहदरा बार एसोसिएशन ने कड़कड़डूमा कोर्ट के दो जजों का बहिष्कार वापस लिया

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। कड़कड़डूमा कोर्ट के शाहदरा बार एसोसिएशन (एसबीए) ने वकीलों से कोर्ट के दो जजों की कोर्ट का बहिष्कार करने का आह्वान वापस ले लिया है। एसबीए के प्रतिनिधियो के साथ कड़कड़डूमा कोर्ट की पोर्टफोलियो कमेटी के चेयरमैन जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और कड़कड़डूमा कोर्ट के डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज के साथ बैठक में मिले सकारात्मक आश्वासन के बाद बहिष्कार करने का फैसला वापस लिया गया। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में जजों ने एसबीए के प्रतिनिधियों से इस मामले को व्यक्तिगत रुप से देखने का आश्वासन दिया। उच्च न्यायालय के कुछ जज 8 अगस्त को कड़कड़डूमा कोर्ट का दौरा कर संबंधित जजों से बात करेंगे। बैठक में मिले इस आश्वासन के बाद एसबीए ने दोनों जजों की कोर्ट का बहिष्कार करने का आह्वान वापस ले लिया। एसबीए के सचिव नरवीर डबास के हस्ताक्षर से 6 अगस्त को जारी नोटिस में वकीलों के साथ दोनों जजों के कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए फैमिली कोर्ट के जज एसएस राठी और महिला कोर्ट की जज रितिका कंसल की अदालतों के बहिष्कार का आह्वान किया गया था। एसबीए के नोटिस में कहा गया है कि दोनों जजों की ओर से वकीलों के साथ किए जा रहे अपमानजनक व्यवहार की शिकायत भी की गई थी। इसके बावजूद दोनों न्यायिक अधिकारियों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। एसबीए के नोटिस में कहा गया था कि फैमिली कोर्ट के जज एसएस राठी ने एक वरिष्ठ वकील को कोर्ट में दलाल कहा। एसबीए ने नोटिस में कहा था कि वकीलों की गरिमा के साथ कोई भी खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो दिनों से जारी झमाझम बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव और सड़कों पर भारी जाम से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक गुरुवार से शुक्रवार तड़के 4 बजे तक सफरदगंज में 59.2 मि, पालम में 16.9 मिमी, लोधी रोड़ 60.4 मिमी, अयानगर 26.2 मिमी, पूषा 31.5 मिमी, जफरपुर 25 मिमी, छतरपुर 39 मिमी, जनकपुरी में 13 मिमी और पुष्प विहार में 42 मिमी वर्षा हुई। आज सुबह 8:30 से 11:30 बजे तक पालम 7.8 मिमी, लोधी रोड 22.6 मिमी, अयानगर 24.4 मिमी, पूषा 6.0 मिमी, छतरपुर 40 मिमी और पुष्प विहार 26.5 मिमी तक बारिश हुई।

तीन घंटे में कंटेंट हटाने के नए नियम पर केजरीवाल का केंद्र पर हमला, बोले- सरकार जेन-जी से डर गई

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। केंद्र सरकार के सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के लिए गैर-कानूनी, सिंथेटिक एवं एआई-जनित कंटेंट हटाने की समय-सीमा 36 घंटे से घटाकर 3 घंटे किए जाने के फैसले पर आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोगों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है और वह जेन-जी के आंदोलन से डर गई है। केजरीवाल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा कि केंद्र सरकार का नया कानून लागू किया गया है, जिसके तहत यदि सरकार किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को किसी पोस्ट को हटाने का वैध नोटिस देती है, तो प्लेटफॉर्म को तीन घंटे के भीतर उस कंटेंट को हटाना होगा। केजरीवाल ने कहा कि जेन-जी के आंदोलन के बाद केंद्र सरकार में डर का माहौल है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जितना लोगों की आवाज दबाने की कोशिश करेगी, जनता का गुस्सा उतना ही बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी नियमों में संशोधन करते हुए सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के लिए सरकार या अदालत से वैध नोटिस मिलने के बाद गैर-कानूनी जानकारी, सिंथेटिक और एआई-जनित कंटेंट हटाने की समय-सीमा 36 घंटे से घटाकर 3 घंटे कर दी है।

सरकारी भर्ती परीक्षा में नकल कराने वाले गिरोह का पदार्फाश, सात गिरफ्तार

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। सरकारी भर्ती परीक्षाओं में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए नकल कराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पश्चिमी जिला पुलिस ने पदार्फाश किया है।

जनकपुरी थाना पुलिस ने गिरोह के कथित मास्टरमाइंड समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित परीक्षार्थियों को कस्टमाइज्ड मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस और नैनो ईयरबड उपलब्ध कराते थे। इनके जरिए परीक्षा केंद्र के बाहर बैठे लोग प्रश्नपत्र हासिल कर उत्तर तैयार करते और अभ्यर्थियों तक पहुंचाते थे। पुलिस ने आरोपितों के पास से कस्टमाइज्ड मोबाइल फोन, सिम कार्ड वाले ब्लूटूथ डिवाइस, नैनो ईयरबड, टैबलेट, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि, 26 जुलाई को जनकपुरी स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया गया कि केवीएस, सी-2 जनकपुरी में आयोजित एलडीसी भर्ती परीक्षा के दौरान कुछ अभ्यर्थी अनुचित साधनों का इस्तेमाल कर रहे थे। परीक्षा केंद्र पर जांच के दौरान एक महिला अभ्यर्थी के पास से कस्टमाइज्ड मोबाइल फोन मिला, जबकि अभ्यर्थी हेमंत के पास से सिम कार्ड लगा ब्लूटूथ डिवाइस और नैनो ईयरबड बरामद किए गए। इसके बाद जनकपुरी थाने में एफआईआर दर्ज कर दोनों अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त कर लिए गए।

पूछताछ में हेमंत ने पुलिस को बताया कि उसके भाई रिंकू ने विरेंद्र के माध्यम से 12 लाख रुपये में ब्लूटूथ डिवाइस और सिम कार्ड की व्यवस्था की थी। इन उपकरणों के जरिए परीक्षा केंद्र के बाहर से उत्तर हासिल करने की योजना थी। हेमंत के बयान के आधार पर रिंकू और विरेंद्र को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

महिला अभ्यर्थी ने पूछताछ में बताया कि उसके दोस्त सन्नी ने उसे कस्टमाइज्ड मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस, सिम कार्ड और नैनो ईयरबड

उपलब्ध कराए थे। इसके लिए 10 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। जांच के बाद पुलिस ने सन्नी को गिरफ्तार किया। उसने पूछताछ में दीपक की भूमिका का खुलासा किया, जिसके साथ आठ लाख रुपये में सौदा तय हुआ था।

तकनीकी निगरानी, सोशल मीडिया विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने बताया कि वह सोनू मान के निर्देश पर काम करता था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर हरियाणा के चरखी दादरी स्थित दादरी बाईपास रोड पर दबिश देकर सोनू कुमार उर्फ सोनू मान को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, वह उस समय एक अन्य सरकारी भर्ती परीक्षा में भी कथित तौर पर नकल कराने की व्यवस्था कर रहा था। सोनू के पास से विदेशी वाट्सऐप अकाउंट से जुड़ा टैबलेट, कस्टमाइज्ड मोबाइल फोन, तीन ब्लूटूथ डिवाइस, चार नैनो ईयरबड, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज बरामद हुए।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपितों में सन्नी लेडी इरविन कॉलेज में लैब अटेंडेंट है और कमीशन के बदले अभ्यर्थियों को कथित मास्टरमाइंड से जोड़ने का काम करता था। 12वीं पास दीपक एजेंट के तौर पर अभ्यर्थियों की व्यवस्था करता और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपलब्ध कराने के साथ परीक्षा के दौरान उत्तर पहुंचाने में मदद करता था। वहीं, सोनू कुमार उर्फ सोनू मान चंडीगढ़ फायर विभाग में फायरमैन है। पुलिस के अनुसार, वह गिरोह का कथित मास्टरमाइंड है। वह कस्टमाइज्ड इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की व्यवस्था करता, लीक प्रश्नपत्र हासिल कर उनके उत्तर तैयार करवाता और एजेंटों के नेटवर्क के जरिए अभ्यर्थियों तक उत्तर पहुंचाता था। गिरफ्तार आरोपितों में हेमंत, रिंकू और विरेंद्र रोहतक व सोनीपत के रहने वाले हैं, जबकि महिला आरोपित, सन्नी और दीपक जींद के रहने वाले हैं। सोनू चरखी दादरी का निवासी है।

पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश, पैसों के लेनदेन की जांच और अलग-अलग राज्यों में हुई अन्य सरकारी भर्ती परीक्षाओं में इनकी संभावित भूमिका की जांच कर रही है।

बेटी के प्रेम संबंध और गर्भवती होने की बात से पिता को था बदनामी का डर, रिश्तेदार संग मिलकर नदी में डुबोकर मार डाला

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। दक्षिणी दिल्ली के तिगड़ी थाना क्षेत्र में एक पिता पर अपनी ही बेटी की हत्या का आरोप लगा है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बेटी के शादी से पहले गर्भवती होने की जानकारी से पिता को सामाजिक बदनामी का डर था। इसी वजह से उसने अपने एक रिश्तेदार के साथ मिलकर बेटी को आगरा के पास चंबल नदी के किनारे ले जाकर कथित तौर पर नदी में डुबो दिया। पुलिस ने मामले में आरोपित पिता लखपत सिंह और उसके रिश्तेदार को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि, युवती का शव अब तक बरामद नहीं हो सका है। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने शुक्रवार को बताया कि 31 जुलाई को तिगड़ी थाने में एक युवती की उसके पिता द्वारा हत्या किए जाने की सूचना मिली थी।

सूचना के आधार पर पुलिस ने अपहरण और हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि युवती के गर्भवती होने की बात सामने आने के बाद उसके पिता को सामाजिक बदनामी की चिंता सताने लगी थी। पुलिस की जांच में आरोप है कि लखपत सिंह ने अपने एक रिश्तेदार के साथ मिलकर युवती को रास्ते से हटाने की साजिश रची। इसके बाद दोनों उसे आगरा के बासोनी के पास चंबल नदी के किनारे ले गए।

वहां कथित तौर पर युवती को जानबूझकर नदी में डुबो दिया गया। घटना के बाद दोनों वापस लौट आए और मामले को छिपाने की कोशिश की। जांच के दौरान पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों और आरोपितों से पूछताछ के आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब हत्या की पूरी कड़ी जोड़ने के साथ घटना में इस्तेमाल किए गए साधनों और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

युवती का शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की मदद से चंबल नदी में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है।

नदी के बहाव और इलाके की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए शव की तलाश लगातार की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तलाशी अभियान जारी है और मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी।

कथित दवा घोटाले पर चर्चा की मांग उठाने पर आआपा विधायकों को सदन से बाहर निकाला: संजीव झा

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) विधायक दल के चीफ व्हिप संजीव झा ने कहा कि दिल्ली सरकार के 650 करोड़ रुपये के दवा घोटाले पर शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा के सदन में चर्चा की मांग करने पर आम आदमी पार्टी के विधायकों को मार्शल आउट कर दिया गया। आआपा विधायक संजीव झा ने कहा कि 100 करोड़ की दवाइयां 400 करोड़ रुपये में खरीदी गई और उपकरण भी कई गुना रेट पर खरीदे गए, अब सरकार इसमें लीपापोती कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बिना प्रश्नकाल के विधानसभा का सत्र बुलाकर अपनी जवाबदेही से भाग रही है। लगातार दो सत्र से प्रश्नकाल नहीं रखा जा रहा है और घोटालों पर चर्चा भी नहीं होने दी जा रही है। उन्होंने कहा कि जब प्रश्नकाल ही नहीं होगा, तो सरकार की जवाबदेही कैसे तय होगी?

मार्शल आउट किए जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत में विधायक संजीव झा ने कहा कि पोर्टेबल वेंटिलेटर 10 से 20 गुने रेट पर खरीदे गए और कागजों में 400 करोड़ रुपये की दवाइयों की खरीद दिखाकर असल में केवल 100 करोड़ रुपये की दवाइयां ही खरीदी गई। लेकिन सरकार अब इस पूरे घोटाले की जांच नही कर रही है।

संजीव झा ने कहा कि यह लगातार दूसरा सत्र है जिसमें यह सरकार प्रश्नकाल नहीं रख रही है। सरकार केवल इसलिए प्रश्नकाल नहीं रख रही क्योंकि वह अपनी जवाबदेही से डरकर

भाग रही है। सरकार नहीं चाहती कि दिल्ली के लोगों को यह पता चले कि वास्तव में यह घोटाला कैसे हुआ है और इसके लिए अधिकारियों व सरकार की जिम्मेदारी तय हो सके।

उन्होंने कहा कि पार्टी के विधायकों ने अध्यक्ष के सामने सदन के सारे काम रोककर रूल 59 के तहत इस 650 करोड़ रुपये के घोटाले पर चर्चा कराने की मांग की। लेकिन चर्चा कराना से पहले ही सिर्फ मांग करने पर ही सदन से मार्शल आउट कर दिया गया।

संजीव झा ने कहा कि 20 महीनों के दौरान सदन में केवल एक बार प्रश्नकाल रखा गया और उसमें भी सरकार की तरफ से किसी सवाल का एक भी जवाब नहीं आया। उन्होंने कहा कि अगर प्रश्नकाल ही नहीं होगा, तो आखिर इस सरकार की जवाबदेही कैसे तय होगी? झा ने कहा कि अध्यक्ष की जिम्मेदारी है कि वे सदन में सरकार की जवाबदेही तय कराएं। बिना प्रश्नकाल के घोटालों पर सरकार की जवाबदेही कैसे तय की जाएगी?

इस दौरान विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि सरकार ने दवाइयों, ओआरएस के घोल और पोर्टेबल मशीनों की खरीद में बड़ा घोटाला किया है। सदन में मांग की कि इस मुद्दे पर चर्चा कराई जाए, लेकिन उन्होंने दो सदस्यों को बाहर निकाल दिया। दोबारा चर्चा की मांग पर अध्यक्ष ने मार्शल आउट कराने की धमकी दी। कुलदीप कुमार ने कहा कि आआपा के विधायकों ने सदन में सभी मुद्दों पर चर्चा की मांग की।

दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए महिलाओं ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का विधानसभा में किया स्वागत

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरूआत से पूर्व शुक्रवार को विधानसभा परिसर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का स्वागत किया। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को पुष्पमालाएं पहनाकर और ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच उनका अभिनंदन किया और दिल्ली लक्ष्मी योजना लागू करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान महिलाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति अपना विश्वास और उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना दिल्ली की महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता महिलाओं का अभिवादन स्वीकार करते हुए कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक सशक्तीकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। दिल्ली लक्ष्मी योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मसम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के साथ आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह योजना लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी और महिलाओं को नए अवसर प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र महिला तक इस योजना का लाभ पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह सुगम बनाया जाए ताकि किसी भी पात्र महिला को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। महिलाओं का यह स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद उनकी सरकार के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार नारी शक्ति के सम्मान, सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर नई जनकल्याणकारी पहल करती रहेगी तथा महिलाओं के जीवन को अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली लक्ष्मी योजना के प्रति महिलाओं के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शुक्रवार सुबह 8 बजे तक योजना के तहत 4,57,541 पंजीकरण पूरे हो चुके हैं, जबकि 1,72,940 महिलाओं ने अपने आवेदन सफलतापूर्वक अंतिम रूप से जमा कर दिए हैं।

दिल्ली की सड़कों पर सफर अब होगा और सुरक्षित, गूगल मैप और मैपमाइइंडिया बताएंगे हादसे वाले क्षेत्र

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। दिल्ली में वाहन चलाने वालों को अब रास्ते में आने वाले हादसे संभावित क्षेत्रों की जानकारी पहले ही मिल सकेगी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तकनीक आधारित नई पहल शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत दिल्ली की सड़कों पर चिन्हित दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के करीब पहुंचते ही वाहन चालकों को गूगल मैप और मैप मई इंडिया के माध्यम से अलर्ट मिलेगा। साथ ही डिजिटल मैपिंग प्लेटफार्म पर दिल्ली की सड़कों की निर्धारित अधिकतम गति सीमा की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। ट्रैफिक की अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विजयंता गोयल आर्या ने शुक्रवार को बताया कि ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि सड़क पर संभावित खतरे और निर्धारित गति सीमा की जानकारी समय रहते मिलने से चालक अधिक सतर्क होकर वाहन चलाएंगे। इससे सड़क दुर्घटनाओं और वाहनों की टक्कर के मामलों में कमी लाने में मदद मिलेगी। यह पहल खासतौर पर तेज रफ्तार या परिस्थितियों के अनुरूप अधिक गति से वाहन चलाने के कारण होने वाले हादसों को रोकने में उपयोगी साबित हो सकती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, दिल्ली की सड़कों पर ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां दुर्घटनाओं का खतरा अधिक रहता है। इन चिन्हित क्षेत्रों के संबंध में जानकारी डिजिटल नेविगेशन प्लेटफार्म से जोड़ी जाएगी। जब कोई वाहन चालक ऐसे क्षेत्र की ओर बढ़ेगा तो गूगल मैप और मैप माई इंडिया के जरिए उसे अलर्ट मिलेगा। इसका उद्देश्य चालक को पहले से सतर्क करना है, ताकि वह अपनी गति नियंत्रित कर सके और सड़क की परिस्थितियों को देखते हुए सावधानी से वाहन चलाए।

आआपा विधायकों ने दवा घोटाले पर विधानसभा के बाहर किया प्रदर्शन, मांगा स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा

नई दिल्ली, 07 अगस्त (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के विधायकों ने शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा के बाहर कथित 650 करोड़ के दवा घोटाले को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के इस्तीफे की मांग करते हुए सरकार पर स्वास्थ्य क्षेत्र में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। विरोध प्रदर्शन के दौरान आआपा विधायक संजीव झा ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार लगातार घोटालों में लिप्त है और पूरे दिल्ली को लूट रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 650 करोड़ का दवा घोटाला सामने आया है। संजीव झा ने कहा कि यह आरोप उनकी पार्टी नहीं बल्कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) की रिपोर्ट के आधार पर सामने आए हैं। इसके बावजूद अब तक किसी जिम्मेदार मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया है। विधायक कुलदीप कुमार ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 650 करोड़ के कथित स्वास्थ घोटाले के खिलाफ पार्टी स्वास्थ्य मंत्री का इस्तीफा मांग रही है।

भविष्यफल

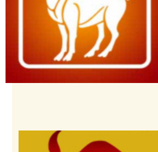

मेष - कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान- सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल- मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक- 5- 6- 9

वृष - अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय- व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक- 2- 6- 8

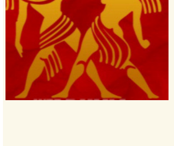

मिथुन - यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक- 4- 7- 9

कर्क - लेनदेन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन- देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक- 1- 3- 5

सिंह - दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल- मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक- 2- 6- 8

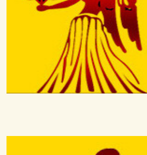

कन्या - विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वतरू ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान- सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक- 3- 7- 8

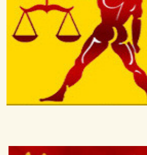

तुला - शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक- 3- 5- 7

वृश्चिक - आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन- पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक- 5- 6- 8

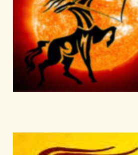

धनु - व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन- देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री- संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक- 2- 6- 8

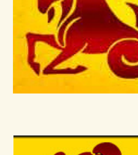

मकर - समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन- देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक- 4- 6- 7

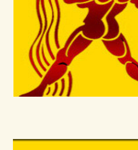

कुंभ - मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक- 3- 5- 8

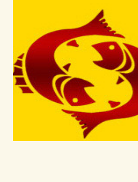

मीन - जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक- 2- 5- 7

सऊदी अरब में 11 आम शहरी घायल, हूतियों ने यमन में दागीं आठ मिसाइलें

हूती विद्रोहियों का सैन्य ठिकानों पर बड़ा हमला, यमन के 58 सैनिकों की मौत

● सना / (एजेंसी)

हूती विद्रोहियों ने यमन और सऊदी अरब में एक साथ कई हमले किए हैं। यमन में हूतियों ने हद्रामौत और मारिब प्रांतों में सैन्य ठिकानों को बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया है, जिसमें 58 सैनिक मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। वहीं, सऊदी अरब में हुए हमले में 11 आम लोग घायल हुए हैं। इनमें 7 लोग सऊदी अरब के, एक यमन, 2 मिस्र और एक पाकिस्तानी शामिल हैं। अल जजीरा के मुताबिक, हूतियों ने मारिब के उत्तर में स्थित अल-जॉफ प्रांत से 8 मिसाइलें दागीं, जिनका निशाना हद्रामौत के अल-थिनिया और अल-अब्र और मारिब के अल-रौक थे।

हमला भारतीय समयानुसार गुरुवार की शाम 4:30 बजे हुआ, जिसमें हद्रामौत में कई सरकारी सैन्य टुकड़ियों, होमलैंड शील्ड फोर्सेज, आपातकालीन बलों और सैन्य शिविरों को निशाना बनाया गया। ये 2022 के बाद से यमन पर हुआ सबसे भीषण हमला है। सऊदी अरब के नजरान क्षेत्र में हुए हमले में 4 साल के बच्चे समेत 11 नागरिक घायल हुए हैं। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई। लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दिया। सऊदी-नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने कहा गठबंधन नागरिकों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाना जारी रखेगा।

सऊदी अरब में चार वर्षीय बच्चा घायल, नजरान में लगी भीषण आग

हूती विद्रोही प्रवक्ता बोला, सैन्य तैयारी के जवाब में हमने सरकारी ठिकानों पर किया हमला

हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सारी ने कहा कि विद्रोहियों ने सऊदी अरब के समर्थन से कथित तौर पर की जा रही सैन्य तैयारी के जवाब में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोनों से सरकारी ठिकानों पर हमला किया। वहीं, हूतियों ने नजरान हवाई अड्डे पर हुए हमले की भी जिम्मेदारी ली है। यमन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस हमले का जवाब सही समय और सही जगह पर दिया जाएगा।

अमेरिका ने जताई संवेदना

यमन स्थित अमेरिकी दूतावास ने इन हमलों को कायरतापूर्ण बताया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अमेरिकी दूतावास ने शुक्रवार को शहीद हुए बहादुर यमनी सैनिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। दूतावास ने कहा, ये हमले यमन के लोगों के खिलाफ आतंकवाद का एक और उदाहरण पेश करते हैं। इस बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर सऊदी दौरे पर हैं। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग समझौता है।

समाज की सहभागिता बढ़ाने के लिए संस्थान के कार्य सर्वस्पर्शी बनें : सुरेश सोनी

चित्रकूट, 7 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। दीनदयाल शोध संस्थान की प्रबंध समिति एवं वार्षिक साधारण सभा की दो दिवसीय बैठक 6-7 अगस्त को जेपी सभागार, दीनदयाल परिसर चित्रकूट में सम्पन्न हुई। बैठक में दिल्ली, गोंडा, बीड, नागपुर और चित्रकूट सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से संस्थान के प्रकल्पों से जुड़े कार्यकताओं एवं सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लिया।

बैठक का शुभारंभ भारत माता, राष्ट्रऋषि भारतरत्न नानाजी देशमुख और एकात्म मानव दर्शन के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ।

इस दौरान पिछले एक वर्ष में दिवंगत संस्थान से जुड़े परिजनों तथा सुरक्षा बलों, सैनिकों एवं अर्धसैनिक बलों के उन जवानों को श्रद्धांजलि दी गई, जिन्होंने प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में अपने प्राण गंवाए।

बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं दीनदयाल शोध संस्थान के संपर्क अधिकारी सुरेश सोनी, संस्थान के अध्यक्ष डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना, उपाध्यक्ष उत्तम बनर्जी, अतुल जैन, प्रधान सचिव निखिल मुण्डले, कोषाध्यक्ष बसंत पंडित तथा राष्ट्रीय संगठन सचिव अभय महाजन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

वार्षिक साधारण सभा में चित्रकूट, गोंडा, बीड, नागपुर और दिल्ली प्रकल्पों द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। साथ ही ग्राम स्तर पर संस्थान की गतिविधियों से व्यक्तियों और समाज पर पड़ रहे प्रभाव का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। पिछले वित्तीय वर्ष में संचालित योजनाओं, उनके क्रियान्वयन और परिणामों पर चर्चा के साथ आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श हुआ। पिछले वर्ष के तुलनापत्र का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

इस अवसर पर विद्या भारती मध्य भारत के पूर्व प्रांत सह संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल को दीनदयाल शोध संस्थान का राष्ट्रीय सह संगठन सचिव मनोनीत किया गया।

अपने संबोधन में सुरेश सोनी ने कहा कि साधारण सभा में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करना कार्यकताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भारत के सनातन चिंतन को आज की युवा पीढ़ी के अनुरूप युगानुकूल स्वरूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में विविधताएं हैं, लेकिन परस्परावलंबन की भावना को मजबूत करना जरूरी है।

प्रकृति के अनुरूप जीवनशैली, स्थानीय संसाधनों का समुचित उपयोग, आत्मनिर्भरता और नवाचार को संस्थान के कार्यों का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि गतिविधियों के सकारात्मक परिणाम समाज में दिखाई दें।

सोनी ने ग्राम समितियों के प्रशिक्षण का प्रभावी मॉडल तैयार करने और उनके सदस्यों को स्पष्ट दायित्व सौंपने पर जोर दिया। उन्होंने सभी प्रकल्पों से आसपास के गांवों को चिन्हित कर बहुआयामी प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांवों का स्थायी और समग्र विकास होना चाहिए। विकास की अवधारणा ऐसी हो जिसमें आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हों, लेकिन उसकी आत्मा गांव की जीवन-पद्धति और स्थानीय संसाधनों से जुड़ी रहे।

सुरेश सोनी ने कहा कि संस्थान के कार्यों का विस्तार तभी सार्थक होगा, जब समाज के सभी वर्गों की सहभागिता बढ़े। इसके लिए संस्थान की गतिविधियों को सर्वस्पर्शी बनाना होगा। आर्थिक गतिविधियों में भी समाज की भागीदारी बढ़ाने और संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रभावी प्रस्तुतीकरण करने पर उन्होंने जोर दिया।

बैठक में दीनदयाल शोध संस्थान के गोंडा प्रकल्प प्रभारी रामकृष्ण तिवारी, दिल्ली प्रकल्प प्रभारी एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ वशिष्ठ, चित्रकूट प्रकल्प के महाप्रबंधक डॉ. अनिल जायसवाल तथा बीड, महाराष्ट्र के प्रभारी डॉ. उपेंद्र कुलकर्णी सहित अन्य पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ब्रीफ न्यूज

मुंबई लोकल ट्रेन में महिला से बदसलूकी

मुंबई, आरएनएन। बोरीवली स्टेशन की जीआरपी ने मुंबई लोकल ट्रेन के भीतर एक व्यक्ति के महिला यात्री को गाली देने और बेल्ट से धमकाने वाले वायरल वीडियो का स्वतः संज्ञान लेते हुए इस संबंध में केस दर्ज किया है। यह घटना कथित तौर पर गुरुवार को गोरेगांव से सीएसएमटी की ओर जाने वाली शाम 17:25 बजे की लोकल ट्रेन में हुई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बहस में व्यक्ति महिला को गाली देता दिखा और बाद में अपना बेल्ट निकालकर उस पर हमला करने की धमकी देता है।

इजराइल का चीन में वाणिज्य दूतावास बंद

तेल अवीव, आरएनएन। इजराइल ने चीन में चेंगदू स्थित वाणिज्य दूतावास बंद कर दिया है। यह कदम दोनों देशों के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। तनाव की वजह चीन का ईरान और अरब देशों के करीब आना तथा पश्चिम एशिया की अपनी व्यापक नीति में बदलाव करना बताया जा रहा है। इस दूतावास ने जुलाई में अपना कामकाज रोक दिया था। बुधवार को प्रकाशित एक पत्र में निवर्तमान इजराइली महावाणिज्यदूत गादी हरपाज ने चीन के दक्षिण-पश्चिमी शहर चेंगदू में बिताए अपने पांच वर्षों को अपने राजनयिक करियर का सबसे यादगार समय बताया।

श्रीलंका की दो जेलों में तीन कैदियों की मौत

कोलंबो, आरएनएन। श्रीलंका की दो जेलों में 24 घंटे में हुई झड़पों में तीन कैदियों की मौत हो गई और 23 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। श्रीलंका में पिछले एक माह में जेलों में हिंसा की इस प्रकार की कई घटनाएं हुई हैं। सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री ने कहा है कि इन घटनाओं के किसी संगठित साजिश का हिस्सा होने का संदेह है। कोलंबो से करीब 60 किमी दक्षिण-पूर्व में स्थित कुरुविटा जेल में शुक्रवार को हुई झड़प में दो कैदियों की मौत हो गई जबकि 13 अन्य घायल हो गए।

मुस्लिम नाटो में पाकिस्तान, सऊदी अरब के बाद जुड़ा तुर्की

मक्का में तीन देशों के बीच हुई डील, एक पर हमला, सब पर अटैक माना जाएगा

● मक्का / (एजेंसी)

तुर्की, सऊदी अरब और पाक ने मक्का में संयुक्त रक्षा डील पर हस्ताक्षर किए हैं। डील से मुस्लिम नाटो में पाक और सऊदी के बाद अब तुर्की भी शामिल हो गया है। डील के अनुसार, इन तीनों देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। डील पर सऊदी क्राउन प्रिंस और पीएम मोहम्मद बिन सलमान, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन और पाक पीएम शहबाज शरीफ की मौजूदगी में साइन हुए। अल-सफा पैलेस में आयोजित समिट में सऊदी अरब, तुर्की और पाक ने मक्का जॉइंट डिफेंस एग्रीमेंट पर साइन किए।

तीनों देशों ने संयुक्त बयान में कहा कि यह डील उनके ऐतिहासिक संबंधों, इस्लामी एकजुटता, साझा रणनीतिक हितों और लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग पर आधारित है। इसका उद्देश्य सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करना और क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देना है।

डील पर भारत की नजरें

नई दिल्ली, भारत ने कहा है कि वह सऊदी अरब, तुर्की और पाक के बीच मक्का संयुक्त रक्षा समझौते तथा पाक और सोमालिया के बीच हाल ही में हुए रक्षा सहयोग समझौते से जुड़े घटनाक्रमों पर करीबी नजर रख रहा है। भारत ने अफ्रीकी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आशा व्यक्त की कि अगला भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर आयोजित किया जाएगा।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्की के बीच रक्षा समझौते के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस पर हमारी नजर है। उन्होंने कहा कि हम इस घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं।

एफसीआरए पर यूएस सांसद की टिप्पणी को भारत ने किया खारिज

विदेश मंत्रालय ने कहा-यह हमारा आंतरिक मामला

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

नई दिलली,आरएनएन। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को एक अमेरिकी सांसद की ओर से प्रस्तावित फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट (एफसीआरए) बिल पर की गई टिप्पणी का जवाब दिया। सरकार ने कहा कि यह भारत का आंतरिक मामला है और अमेरिका भी अपने देश में आने वाले विदेशी फंड को रेगुलेट करता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमने एफसीआरए पर की गई टिप्पणियां देखी हैं। भारत से जुड़े विधायी मामले हमारे आंतरिक मामले हैं, जिन पर देश की संसद फैसले लेती है। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि अमेरिका सहित कई देश विदेशी फंड के प्रवाह को रेगुलेट करते हैं। यह प्रतिक्रिया अमेरिकी कांग्रेस सदस्य राइली मूर द्वारा प्रस्तावित एफसीआरए बिल, 2026 पर चिंता जताने के बाद आई है। मूर ने आरोप लगाया था कि इसके कुछ प्रावधानों से भारतीय सरकार चर्चों और धार्मिक चैरिटी का नियंत्रण अपने हाथ में ले सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मुद्दे से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों पर असर पड़ सकता है।

क्या है एफसीआरए

एफसीआरए यह तय करता है कि भारत में काम करने वाले संगठन विदेशी चंदा कैसे प्राप्त करते हैं और उसका इस्तेमाल कैसे करते हैं इसमें कई तरह की संस्थाएं शामिल हैं। इसमें चैरिटी, शैक्षणिक संस्थान, धार्मिक निकाय और एनजीओ हैं, जो विदेशों से फंड प्राप्त करते हैं। मौजूदा कानून में प्रस्तावित संशोधन का मकसद उन तरीकों में बदलाव करना है जिनसे संस्थान विदेशी चंदा प्राप्त करते है। इसमें एनजीओ, ट्रस्ट, शैक्षणिक संस्थान और धार्मिक निकाय शामिल हैं। बिल के सबसे विवादास्पद प्रावधानों में से एक केंद्र को एक नामित प्राधिकरण बनाने का अधिकार देता है। यह प्राधिकरण विदेशी चंदे और उस चंदे से बनाई गई संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में ले लेगा, यदि किसी संगठन का एफसीआरए रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाता है।

अजमेर मंडल में दोहरीकरण कार्य से कुछ ट्रेनें प्रभावित

रतलाम, आरएनएन। उत्तर पश्चिम रलवे के अजमेर मंडल के अजमेर चंदेरिया रेल खंड पर स्थित झरवासा, बान्दनवाडा और सिंघावल स्टेशनों पर दोहरीकरण कार्य के कारण कुछ ट्रेनें निरस्त, शॉर्ट टर्मिनेट/ ओरिजिनेट तथा परिवर्तित मार्ग से चलेगीं।

रतलाम मंडल के पीआरओ मुकेश कुमार के अनुसार यह ट्रेनें निरस्त है- 4 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक जोधपुर से चलने वाली ट्रेन संख्या 14801 जोधपुर -इंदौर निरस्त रहेगी। 4 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक इंदौर से चलने वाली ट्रेन संख्या 14802 इंदौर-जोधपुर निरस्त रहेगी। 4 अक्टूबर 2026 से 08 अक्टूबर तक मदर से चलने वाली ट्रेन संख्या 19605 मदर जंक्शन-उदयपुर सिटी निरस्त रहेगी। 03 अक्टूबर से 07 अक्टूबर तक उदयपुर सिटी से चलने वाली ट्रेन संख्या 19606 उदयपुर सिटी-मदार निरस्त रहेगी।

अमेरिका में मेटा पर लगा 5,390 करोड़ का जुर्माना

बच्चों की मेंटल हेल्थ से खिलवाड़ का लगा आरोप

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

इंस्टाग्राम और फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा को अमेरिकी कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। न्यू मैक्सिको की कोर्ट ने मेटा पर बच्चों की मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचाने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के मामले में 567 मिलियन डॉलर (करीब 5,390 करोड़) का जुर्माना ठोका है।

जज ने कहा, कंपनी ने बच्चों की सुरक्षा के बजाय मुनाफे को प्राथमिकता दी, जिससे उनके मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ा। जुर्माने की राशि का ज्यादातर इस्तेमाल युवाओं के इलाज के लिए और बाकी पैसा अगले पांच सालों में जागरूकता और रोकथाम, स्क्रीनिंग सर्विस और दूसरे खर्चों पर खर्च किया जाएगा। बता दें कि ऐसा पहली बार हुआ है, जब यूएस के किसी राज्य ने एक बड़ी टेक कंपनी के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई की है। कोर्ट ने यह फैसला कंपनी की जवाबदेही तय करते हुए सुनाया है।

कोर्ट के अनुसार, 567 मिलियन डॉलर में से युवाओं के इलाज में 420 मिलियन डॉलर युवाओं के इलाज में खर्च किए जाएंगे। यह नया फैसला उस 375 मिलियन डॉलर के जुर्माने के अलावा है, जो मेटा पर इस मामले के पहले चरण में लगाया गया था। दोनों को मिलाकर अब कुल जुर्माना 942 मिलियन डॉलर हो गया है।

गणपति फेस्टिवल में पश्चिम रेलवे चलाएगी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई आरएनएन। पश्चिम रेलवे द्वारा गणपति फेस्टिवल के दौरान यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।ट्रेन संख्या 09013/09014 मुंबई सेंट्रल-ठोकुर-मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक स्पेशल (02 फेरे),ट्रेन संख्या 09013 मुंबई सेंट्रल-ठोकुर स्पेशल मंगलवार, 15 सितंबर, 2026 को मुंबई सेंट्रल से 10:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:50 बजे ठोकुर पहुँचेगी।

सुप्रीम कोर्ट से झटके के बाद ट्रम्प की बर्थराइट सिटीजनशिप पर फिर रोक

● वॉशिंगटन / (हि.स.)।

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दो कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। इनका मकसद यूएस में जन्म से नागरिकता के अधिकार को सीमित करना और तथाकथित बर्थ टूरिज्म को समाप्त करना है। अमेरिका में पैदा हुए ऐसे बच्चे जिनके माता-पिता किसी दूसरी सरकार के लिए काम करने वाले विदेशी राजनयिक हैं। ऐसे लोगों की संतानें जिन्हें एलियन एनिमी माना गया है, जिनमें संघीय रूप से मान्यता प्राप्त आतंकी संगठनों के सदस्य भी शामिल हैं। अमेरिकी क्षेत्रों में पैदा हुए बच्चे, अगर कांग्रेस उन क्षेत्रों में अपने-आप नागरिकता मिलने की व्यवस्था को खत्म करने वाला कानून बनाती है। ऐसी माताओं की संतानें जो जानबूझकर सिर्फ बच्चे को जन्म देने के मकसद से अमेरिका आती हैं, खासकर बर्थ टूरिज्म सेंटर्स के ज़रिए।

बॉलरूम निर्माण के लिए लेनी होगी कांग्रेस की मंजूरी : कोर्ट

अमेरिका की एक कोर्ट ने फैसला सुनाया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को व्हाइट हाउस परिसर के भीतर एक उच्च सुरक्षा वाले ख्बॉलरूमद्य के निर्माण के लिए कांग्रेस (संसद) की मंजूरी लेनी होगी। अदालत ने कहा कि निर्माण कार्य रोक दिया जाना चाहिए। ख्यूएस कोर्ट ऑफ अपीलद्य ने उन ऐतिहासिक संरक्षणवादियों के पक्ष में फैसला दिया, जिन्होंने निर्माण कार्य रुकवाने के लिए मुकदमा दायर किया था। अदालत ने अपने दिए गए फैसले को तुरंत लागू नहीं किया, बल्कि उसे दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया ताकि प्रशासन को यूएस सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का मौका मिल सके।

आज का इतिहास

- 1700: डेनमार्क और स्वीडन में शांति संधि पर साइन।
- 1763 : वर्षों के संघर्ष के बाद अंततः कैनेडा, पेरिस डील के आधार पर फ्रांस के अधिकार से स्वतंत्र हुआ।
- 1771: इंग्लैंड में हॉर्शम में पहला रिकॉर्ड शहर क्रिकेट मैच खेला गया।
- 1786: यूएस कांग्रेस ने चांदी के डॉलर, मुद्रा के लिए दशमलव प्रणाली स्वीकारी।
- 1839: बीटा थिता पिई ऑक्सफोर्ड, ओहियो में स्थापित की गई।
- 1864: जेनेवा में रेड क्रॉस की स्थापना हुई।
- 1876: एडीसन ने कराया मिमियोग्राफ का पेटेंट।
- 1887: अंतोनियो गज़मैन ब्लैंको वेनेजुएला ने फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में अपनी अवधि पूरा किया।

अमित शाह को किसी से देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं : एकनाथ शिंदे

मुंबई/नई दिल्ली, 7 अगस्त (दिव्य भारत ब्यूरो)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना के मुख्य नेता एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर छात्र आंदोलन की आड़ में राजनीतिक ड्रामा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर छात्रों का आंदोलन समाप्त हो चुका है और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस्तीफा दे चुके हैं। इसके बावजूद विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद के बाहर प्रदर्शन कर रहा है।

शिंदे ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले प्रधानमंत्री ने हाल में शिवसेना में शामिल हुए सांसदों को चाय पर आमंत्रित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सांसदों से चिंता न करने और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि सरकार संसद में हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष सदन के भीतर चर्चा करने के बजाय बाहर राजनीतिक प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को संसद में मुद्दों पर चर्चा करने में रुचि नहीं है, बल्कि वह गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग के जरिए राजनीतिक माहौल बनाने में लगी है।

एकनाथ शिंदे ने कहा कि अमित शाह ने नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने तथा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने जैसे महत्वपूर्ण कदमों में भूमिका निभाई है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इन्हीं कारणों से कांग्रेस गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है?

उन्होंने कहा कि अमित शाह को किसी से देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं है। विपक्ष को राजनीतिक स्टंट करने के बजाय संसद में आकर सरकार के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए। सरकार चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है।

शिंदे ने महिला आरक्षण और निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन को भी महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए कहा कि सभी दलों को इन विषयों पर मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिसीमन समय की आवश्यकता है और इसे राजनीतिक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि आम जनता के हित में देखा जाना चाहिए।

शिवसेना के नाम और चुनाव चिन्ह से जुड़े मामले की सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई पर भी शिंदे ने उद्धव ठाकरे गुट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उबाठा गुट को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसे न्यायपालिका पर भरोसा है या नहीं।

शिंदे ने कहा कि पिछली सुनवाई के दौरान उबाठा गुट के नेता मिठाइयां बांट रहे थे और दावा कर रहे थे कि मुख्यमंत्री पद असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार कानून के दायरे में बनी थी और पूर्व मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ भी स्पष्ट कर चुके हैं कि सरकार असंवैधानिक नहीं थी।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने जनता की अदालत में न्याय मांगने की बात कही थी, उन्हें जनता ने चुनाव में अपना फैसला सुना दिया है। शिंदे के मुताबिक शिवसेना के 40 विधायक बढ़कर 60 हो गए हैं और जनता ने उनके पक्ष को स्वीकार किया है।

शिंदे ने कहा कि वह लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं और न्याय व्यवस्था पर उनका पूरा भरोसा है। चूंकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए इस पर इससे अधिक टिप्पणी करना उचित नहीं है।

अरुणाचल प्रदेश के 27 इलाकों की पक्की मैपिंग

चीन का झूठ उखाड़ने का हुआ पूरा इंतजाम

● नई दिल्ली / (हि.स.)

केन्द्र ने अरुणाचल सरकार के परामर्श से अरुणाचल प्रदेश में कुल 27 स्थानों/ भौगोलिक संरचनाओं को, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के आधिकारिक मानचित्रों पर, उनके मानक स्थान और भौगोलिक संरचना के नाम के साथ चिन्हित किया है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अरुणाचल प्रदेश के मानचित्र पर इन्हें औपचारिक रूप से चिन्हित करने का उद्देश्य, इनकी सटीक पहचान को सुगम बनाना और जन-सामान्य के बीच बेहतर जागरूकता पैदा करना है।

अरुणाचल के मैप पर चिह्नित 27 स्थान

अरुणाचल के मानचित्र पर चिह्नित 27 स्थान/ भौगोलिक संरचनाएं लॉन्गजू - भूमि क्षेत्र, माजा - भूमि क्षेत्र, बिसा - भूमि क्षेत्र; जो ला - दर्रा, रिजा ला - दर्रा, पुकुर ला - दर्रा, थाग ला - दर्रा, साम्भो सरोवर - झील, बड़ा कुंदुन - भूमि क्षेत्र, छोटा कुंदुन - भूमि क्षेत्र, धन बारी - भूमि क्षेत, प्रीतनगर - भूमि क्षेत्र, बुद्धमंदिर - भूमि क्षेत्र, जयरामपुर - भूमि क्षेत्र, तेरितनगर - भूमि क्षेत्र, रामनगर - भूमि क्षेत्र, जसवंतगढ़ - भूमि क्षेत्र, सागर - भूमि क्षेत्र, पद्मा - भूमि क्षेत्र, ज्योतिनगर - भूमि क्षेत्र, बैसाखी - भूमि क्षेत्र, शेर-ए-थापा स्मारक - स्मारक, छोटा रोपुक - भूमि क्षेत्र, बड़ा रोपुक - भूमि क्षेत्र आदि।

संपादकीय

इतनी सारी सुविधाओं के बीच भी इंसान खुश क्यों नहीं है?

मानव सभ्यता ने विकास की लंबी यात्रा तय की है। विज्ञान, तकनीक और आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को अभूतपूर्व सुविधाएं प्रदान की हैं। आज घर बैठे दुनिया भर की जानकारी उपलब्ध है, चिकित्सा सुविधाएं पहले से बेहतर हैं, संचार के साधन अत्याधुनिक हैं और जीवन को सुविधाजनक बनाने वाले असंख्य उपकरण हमारे आसपास मौजूद हैं। फिर भी एक प्रश्न लगातार हमारे सामने खड़ा है कि इतनी सारी सुविधाओं के बावजूद मनुष्य पहले की अपेक्षा अधिक तनावग्रस्त, अकेला और दुखी क्यों दिखाई देता है? जीवन की अवधि को जन्म और मृत्यु की तिथियों से मापा जा सकता है, लेकिन जीवन की गुणवत्ता को किसी पैमाने से नहीं आंका जा सकता। असली प्रश्न यह नहीं है कि कोई व्यक्ति कितने वर्ष जिया, बल्कि यह है कि उसने उन वर्षों को कितनी प्रसन्नता, संतोष और आत्मिक शांति के साथ जिया। जीवन कोई गणितीय गणना नहीं, बल्कि एक जीवंत अनुभव है। इसलिए जीवन का मूल्य उसकी लंबाई में नहीं, बल्कि उसके आनंद में निहित है। हर व्यक्ति अपने जीवन में सुख और खुशी की तलाश करता है। बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक मनुष्य की लगभग हर गतिविधि के पीछे एक ही उद्देश्य छिपा होता है, खुश रहना। वह शिक्षा प्राप्त करता है, रोजगार करता है, धन कमाता है, घर बनाता है, परिवार बसाता है, प्रतिष्ठा अर्जित करता है और भविष्य के लिए योजनाएं बनाता है। उसे विश्वास रहता है कि इन उपलब्धियों के बाद उसे स्थाई खुशी मिल जाएगी। लेकिन जैसे-जैसे एक लक्ष्य पूरा होता है, दूसरा लक्ष्य सामने खड़ा हो जाता है और खुशी फिर भविष्य के किसी पड़ाव पर टल जाती है। यहीं से असंतोष की शुरुआत होती है। मनुष्य वर्तमान में जीने के बजाय भविष्य की चिंताओं और अपेक्षाओं में उलझ जाता है। उसे जो मिला है, उसका आनंद लेने के बजाय वह उस चीज के पीछे भागता रहता है, जो अभी उसके पास नहीं है। यही अंतहीन दौड़ धीरे-धीरे उसके मन की शांति छीन लेती है। वास्तविकता यह है कि खुशी किसी वस्तु, पद, धन या वैभव में नहीं रहती। वह हमारे दृष्टिकोण और मानसिकता में निवास करती है। एक ही परिस्थिति दो व्यक्तियों के सामने आती है। एक व्यक्ति उसे चुनौती मानकर मुस्कराते हुए आगे बढ़ता है, जबकि दूसरा उसी परिस्थिति को अपने जीवन का सबसे बड़ा दुख मान लेता है। इससे स्पष्ट होता है कि परिस्थितियां नहीं, बल्कि उनके प्रति हमारी प्रतिक्रिया हमारे सुख-दुख का निर्धारण करती है। आज का समाज उपभोक्तावाद की संस्कृति से गहराई से प्रभावित है। बाजार लगातार यह संदेश देता है कि नई वस्तुएं, नया मोबाइल, नई कार, बड़ा घर या महंगी जीवनशैली ही सफलता और खुशी का प्रतीक हैं। कुछ समय के लिए इन उपलब्धियों से उत्साह अवश्य मिलता है, लेकिन यह आनंद बहुत जल्द समाप्त हो जाता है। फिर नई इच्छाएं जन्म लेती हैं और व्यक्ति पुनः उसी दौड़ में शामिल हो जाता है। इस प्रकार खुशी क्षणिक बनकर रह जाती है। मनुष्य के दुखी होने का एक बड़ा कारण उसकी बढ़ती अपेक्षाएं भी हैं। पहले आवश्यकताएं सीमित थीं और संतोष अधिक था। आज आवश्यकताओं से अधिक इच्छाएं बढ़ गई हैं। तुलना की प्रवृत्ति ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। सोशल मीडिया और प्रदर्शन की संस्कृति ने लोगों को दूसरों के जीवन से अपनी तुलना करने के लिए प्रेरित किया है। परिणामस्वरूप व्यक्ति अपने जीवन की उपलब्धियों का आनंद लेने के बजाय दूसरों की सफलताओं से स्वयं को कमतर समझने लगता है। स्वास्थ्य भी प्रसन्नता का महत्वपूर्ण आधार है। शारीरिक रोगों के साथ-साथ मानसिक तनाव आज एक गंभीर सामाजिक समस्या बन चुका है। चिंता, अवसाद, अनिद्रा और मानसिक दबाव अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं हैं। विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चे भी प्रतिस्पर्धा, परीक्षा और अपेक्षाओं के बोझ से तनाव का अनुभव कर रहे हैं। युवाओं में भविष्य की अनिश्चितता और रोजगार की चिंता बढ़ रही है।

बिहार में सुशासन की कसौटी पर भरत तिवारी प्रकरण

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति राज्य की दंडात्मक क्षमता नहीं बल्कि कानून का शासन होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि न्याय कानून की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हो, न कि संदेह, शक्ति या दबाव के आधार पर। जब किसी पुलिस मुठभेड़ पर गंभीर प्रश्न उठने लगें, जब न्यायिक प्रक्रिया से पहले गोलियों की गूंज सुनाई दे और जब देश के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सार्वजनिक मंच से गंभीर आरोप लगाएँ, तब वह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु का मामला नहीं रह जाती बल्कि शासन, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की परीक्षा बन जाती है।

भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर ने बिहार की राजनीति और प्रशासन के सामने ऐसे ही अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने मीडिया के समक्ष दावा किया है कि यह कोई सामान्य पुलिस मुठभेड़ नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे घटनाक्रम के पीछे जवइनिया गांव के विस्थापितों के लिए आई लगभग 1400 करोड़ रुपये की राशि से जुड़े कथित वित्तीय घोटाले को छिपाने का उद्देश्य था।

आरोपों की सत्यता का निर्णय केवल सक्षम न्यायालय अथवा निष्पक्ष जांच एजेंसी ही कर सकती है। इसलिए किसी भी पक्ष को दोषी या निर्दोष घोषित करना अभी न्यायोचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि इतने गंभीर आरोपों को केवल सरकारी बयान या औपचारिक स्पष्टीकरण से खारिज नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र में पारदर्शिता केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की आधारशिला होती है। यदि जनता के मन में संदेह पैदा हो जाय तो उस संदेह का समाधान निष्पक्ष जांच से ही संभव है।

बिहार लंबे समय से सुशासन की राजनीति का दावा करता रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक पहचान कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार और जवाबदेह शासन के आधार पर बनी है। भारतीय जनता पार्टी भी सुशासन, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को अपनी प्रमुख राजनीतिक प्रतिबद्धताओं में शामिल करती रही है। ऐसे में यदि किसी पुलिस मुठभेड़ पर व्यापक संदेह पैदा होता है तो उसका प्रभाव केवल पुलिस विभाग तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरी शासन व्यवस्था की साख पर पड़ता है।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार देता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी व्यक्ति के अपराध का निर्धारण न्यायालय करेगा, पुलिस नहीं। यदि कोई व्यक्ति गंभीर अपराधों का आरोपी भी हो, तब भी उसे न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने का अधिकार प्राप्त है। लोकतंत्र में पुलिस का दायित्व अपराधियों को कानून के समक्ष प्रस्तुत करना है, न कि स्वयं अभियोजन, न्यायाधीश और दंडाधिकारी की भूमिका निभाना। यही कारण है कि देश की सर्वोच्च अदालत भी विवादित पुलिस मुठभेड़ों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बार-बार बल देती रही है।

भरत तिवारी प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि वह निर्दोष थे या दोषी। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या बिहार में कानून की प्रक्रिया पर जनता का भरोसा पहले जैसा बना हुआ है? यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि न्यायिक प्रक्रिया के स्थान पर मुठभेड़ ही अंतिम रास्ता बनती जा रही है, तो लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होगी। कानून का शासन केवल अपराधियों को दंडित करने से नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने से मजबूत होता है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है। विपक्ष स्वाभाविक रूप से इसे सरकार की जवाबदेही से जोड़ेगा। वहीं, सरकार के पास यह अवसर भी है कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराकर यह संदेश दे कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। यदि जांच निष्पक्ष होगी और दोषी पाये जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर बिना भेदभाव कार्रवाई होगी, तो जनता का विश्वास और मजबूत होगा, लेकिन यदि जांच की निष्पक्षता पर ही प्रश्न उठते रहे, तो यह विवाद सरकार की राजनीतिक छवि पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ सकता है।

हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों, विशेषकर उपचुनावों के परिणामों को लेकर भी विभिन्न प्रकार के विश्लेषण सामने आ रहे हैं। कुछ विश्लेषक इन्हें जनता के बदलते राजनीतिक मूड से जोड़ रहे हैं। हालांकि किसी एक चुनाव परिणाम को सीधे इस प्रकरण से जोड़ना उचित नहीं होगा, क्योंकि चुनाव अनेक स्थानीय, सामाजिक और राजनीतिक कारणों से प्रभावित होते हैं। फिर भी इतना स्पष्ट है कि आज का मतदाता केवल विकास योजनाओं और घोषणाओं से संतुष्ट नहीं होता। वह न्याय, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और जवाबदेही को भी उतना ही महत्व देता है।

लोकतंत्र में सरकारें केवल चुनाव जीतने से मजबूत नहीं होतीं बल्कि जनता के विश्वास से होती हैं। यह विश्वास तभी कायम रहता है जब न्याय केवल किया ही न जाय, बल्कि निष्पक्ष रूप से होता हुआ दिखाई भी दे। भरत तिवारी प्रकरण का अंतिम सत्य जो भी हो, बिहार के हित में यही आवश्यक है कि पूरे मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो, यदि ऐसा होता है तो न केवल सच्चाई सामने आयेगी, बल्कि कानून के शासन और सुशासन की अवधारणा भी मजबूत होगी, यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी अपेक्षा है और यही बिहार की शासन व्यवस्था के सामने वास्तविक कसौटी भी।

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा

योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में क्रिप्स मिशन भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज अगस्त क्रांति मैदान के नाम से जाना जाता है, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध करो या मरो के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था।

9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने कांग्रेस रेडियो के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दशार्ता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी।

भारत छोड़ो आंदोलन का महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया।

भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता। यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया।

आज जब हम भारत छोड़ो आंदोलन दिवस मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है।

भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। करो या मरो का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

नशे के विरुद्ध एक अभियान

मृत्युंजय दीक्षित

देश को नक्सलवाद-माओवाद के आतंक से मुक्ति दिलाने के बाद केंद्र सरकार ने दो नये अहम अभियान प्रारंभ किये हैं- पहला, भारत को घुसपैठियों से मुक्त करना और दूसरा, युवाओं को नशे की लत से मुक्ति दिलाना। भारत के किशोरों तथा युवाओं को हर प्रकार के नशे से मुक्ति दिलाने के लिए 2 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान का प्रारंभ करते हुए वीडियो संदेश जारी किया है। अपने सन्देश में प्रधानमंत्री ने कहा कि जो युवा नशे से लड़कर बाहर निकलते हैं वे कमजोर नहीं बल्कि असली योद्धा होते हैं। समाज को उनका सम्मान करना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं ताकि भारत कभी भी एक सशक्त एवं विकसित देश के रूप में स्थापित न हो सके। इस साजिश को हम सबको मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा। अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार को कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। नशे की लत युवाओं के सपनों और परिवार दोनों को ही तोड़ देती है। नशा केवल व्यक्ति या परिवार को नहीं बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है।

इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। प्रत्येक रविवार को देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे जिसमें वॉकाथन और दौड़, खेल प्रतियोगिताएं, योग और ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, नशा विरोधी जागरूकता अभियान, चर्चा और संवाद कार्यक्रम, पेंटिंग्स व आर्ट्स प्रतियोगिताएं तथा सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। यह अभियन 125 से अधिक आध्यात्मिक, सामाजिक तथा सरकारी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आर्ट ऑफ लिविंग, गायत्री परिवार, इस्कॉन से लेकर माता अमृतानंदमयी मठ जैसे संगठन इस अभियान से जुड़ कर कार्य कर रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद् पहले से व्यापक स्तर पर नशामुक्ति अभियान चला रहा है।

युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता लाने के साथ ही गृहमंत्री अमित शाह ने भी नशे की जड़ों पर प्रहार करने का युद्ध छेड़ रखा है। ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। तस्करी करके बड़ी मात्रा में विदेशों से आने वाली ड्रग्स की जब्ती बंदरगाहों तथा एयरपोर्ट्स की जा रही है और उसे नष्ट किया जा रहा है। वर्ष 2021 में 2988 किलो हेरोइन, 2022 में 927 किलो गांजा, 2023 में 122 किलो मेफेड्रोन, 2024 में 770 किलो मेथाफाटेमाइन और 2026 में फिर 522 किलो गांजा बरामद किया जा चुका है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार 2020 से मई 2025 तक तक 116 बड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए 1,09,318 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं और उनको नष्ट किया गया है।

वर्तमान समय में नशे का सबसे बड़ा केन्द्र पंजाब तथा पूर्वोत्तर के कई छोटे राज्य हैं। विदेशी आतंकी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के युवाओं को नशे की लत में धकेलने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। अपने कुत्सित प्रयासों को सफल बनाने के लिये ये लोग स्थानीय स्तर के अपराधियों व बिगड़ैल युवाओं का सहारा लेते हैं। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में नशे के संकट पर चिंता जताते हुए कहा था कि नशा राज्य के अस्तित्व पर खतरा बन सकता है ।संगठित गिरोहों की जांच में पुलिस प्रशासन के साथ ही अदालत को भी सतर्क रहना होगा।

भारत में ड्रग्स की खेप कई रास्तों से आती है। बांग्लादेश-पाकिस्तान तथा नेपाल सीमा से ड्रग्स आसानी से आ-जा रहा है। गुजरात के समुद्री तट से भी नशे का कारोबार कंटेनर और समुद्री मार्ग से चलता आ रहा है। हालांकि, सरकार के प्रयासों से कुछ रोकथाम हुई है किंतु खतरा बरकरार है। म्यांमार से भी ड्रग्स की तस्करी हो रही है। यही नहीं छोटे-छोटे देश मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, मालदीव, हांगकांग सहित तमाम देशों से ड्रग्स की सप्लाई अनेक प्रकार से हो रही है। पाकिस्तान परस्त आतंकी संगठन ड्रोन आदि के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रग्स, हथियार व धन गिराते रहते हैं। इस प्रकार नशे की सप्लाई अनेक तरीकों से होती है और उन्हें भारत के किशोरों तथा युवाओं तक विभिन्न तरीकों से पहुंचाया जाता है। वर्ष 2025 में एम्स के सर्वे में पाया गया कि 11 से 14 वर्ष की उम्र में ही किशोर नशीले पदार्थों के संपर्क मे आ गए थे। इन विषम परिस्थितियों को देखते हुए यह वृहद अभियान प्रारंभ किया गया है। नशे से आतंकवाद को पनपने में बहुत मदद मिलाती है इसलिए, यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के बाद 28 हजार से अधिक स्थानों पर एक करोड़ से अधिक युवाओं ने भाग लिया और एक साथ नशा मुक्त भारत की शपथ ली। नशामुक्ति का यह अभियान राजनीति से दूर रहकर चलना चाहिए तभी भारत के किशोर, युवा और परिवार तथा बहन -बेटियां सुरक्षित जीवन जी सकेंगी और वर्ष -2047 तक भारत विकसित भारत बनकर उभर सकेगा।

हर-हर महादेव... श्रावण में बरसती शिवकृपा

अनिकेत सिंह

श्रावण मास भगवान शिव की आराधना, तप, संयम और आध्यात्मिक साधना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। आशुतोष भगवान शिव त्रिगुणात्मक स्वरूप के देव हैं, जिनका सत्त्व, रज और तम तीनों गुणों पर समान अधिकार है। वे अपने मस्तक पर चंद्रमा को धारण करने के कारण शशिशेखर कहलाते हैं। चंद्रमा उनके प्रिय होने से सोमवार भी उन्हें विशेष प्रिय है। वैसे तो वर्ष के सभी सोमवार शिव आराधना के लिए शुभ माने जाते हैं, किंतु श्रावण मास के सोमवारों का महत्व अत्यंत विशेष है। इस माह में वातावरण में जल तत्व की प्रधानता रहती है, जिसे सोम तत्व का ही स्वरूप माना गया है।

श्रावण मास में श्रद्धालु विविध प्रकार से भगवान शिव की उपासना करते हैं। प्रातः और सायंकाल मंदिरों में जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, चंदनाभिषेक तथा गंगाजल से अभिषेक किया जाता है। अनेक स्थानों पर रुद्राभिषेक का आयोजन होता है, जिसमें गंगाजल, दूध और पंचामृत से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। कई भक्त पूरे मास व्रत रखते हैं या एक समय भोजन करते हैं। ऐसी मान्यता है कि आधि यानी मानसिक कष्ट, व्याधि यानी शारीरिक रोग और उपाधि यानी सांसारिक संकट से पीड़ित व्यक्ति को शिवपूजन से शांति और मानसिक बल प्राप्त होता है।

भगवान शिव के भक्त भी उतने ही विलक्षण हैं जितने स्वयं शिव। उनके उपासकों में मनुष्य ही नहीं, देवता, असुर और स्वयं भगवान विष्णु, श्रीराम तथा श्रीकृष्ण भी सम्मिलित हैं। हरिवंश पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने कैलाश पर्वत पर तपस्या कर भगवान शिव को प्रसन्न किया था। श्रीराम ने रामेश्वरम् में शिवलिंग की स्थापना कर पूजा की, जबकि रावण ने शिवभक्ति में अपना मस्तक बार-बार अर्पित कर उनकी कृपा प्राप्त की थी।

श्रावण मास के सोमवारों का विशेष धार्मिक महत्व है। प्रत्येक सोमवार को शिवजी को अलग-अलग अन्न अर्पित करने की परंपरा है, जिसे शिवामुट्ठी कहा जाता है। प्रथम सोमवार को एक मुट्ठी चावल, दूसरे सोमवार को सफेद तिल, तीसरे सोमवार को हरे मूंग, चौथे सोमवार को जौ तथा यदि पांचवां सोमवार आए तो राई अर्पित की जाती है। श्रावण में भगवान शिव पर जल चढ़ाने के पीछे समुद्र मंथन की प्रसिद्ध पौराणिक कथा जुड़ी है। जब समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष को कोई भी ग्रहण करने के लिए तैयार नहीं हुआ, तब समस्त सृष्टि की रक्षा हेतु भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष की तीव्रता से उनके शरीर में अत्यधिक उष्णता उत्पन्न हुई, जिसे शांत करने के लिए उन्होंने अपने मस्तक पर गंगा और चंद्रमा को धारण किया। इसी कारण श्रावण मास में भक्त शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। अविवाहित युवक-युवतियां उत्तम जीवनसाथी की कामना से तथा नवविवाहित दंपति सुखी वैवाहिक जीवन के लिए भगवान शिव की आराधना करते हैं। पौराणिक मान्यता है कि भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

श्रावण का महीना आते ही मंदिरों में गूंजता हर-हर महादेव केवल आस्था का उद्घोष नहीं होता, बल्कि शिव के प्रति समर्पण, आत्मशुद्धि और जीवन में संतुलन का भी संदेश देता है।

भगवान शिव को पंचमुखी कहा गया है और उनकी प्रिय संख्या भी पांच मानी जाती है। उनका पंचाक्षर मंत्र ओम नमः शिवाय पांच अक्षरों से मिलकर बना है। शिव पंचतत्वों तथा पांच इंद्रियों के अधिपति हैं। शिवपुराण के अनुसार उनके पांच मुख–ईशान, तत्पुरुष, अघोर, वामदेव और सद्योजात–सृष्टि के विभिन्न कार्यों का संचालन करते हैं। इन्हीं पांच स्वरूपों के माध्यम से वे सृष्टि, पालन, संहार, निग्रह और अनुग्रह की दिव्य गतिविधियों का संचालन करते हैं। ज्योतिष के अनुसार अपनी राशि के अनुरूप भगवान शिव की आराधना करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मेष और वृश्चिक राशि के जातकों को मंगलवार के दिन लाल पुष्प अर्पित करने चाहिए। वृषभ और तुला राशि के लोग शुक्रवार को सफेद वस्तुएं, दूध, दही और सफेद पुष्प चढ़ाएं। मिथुन और कन्या राशि के लिए बुधवार को बेलपत्र, आक, धतूरा और भांग अर्पित करना शुभ माना गया है। कर्क राशि के जातक सफेद वस्तुओं से, सिंह राशि के जातक लाल वस्तुओं से, धनु और मीन राशि के लोग गुरुवार को पीली वस्तुओं से तथा मकर और कुंभ राशि के जातक शनिवार को काले अथवा नीले रंग की वस्तुओं से भगवान शिव की पूजा करें।

श्रावण मास में पूजा के लिए प्रातः स्नान के बाद स्वच्छ एवं बिना खंडित बेलपत्र, अक्षत, जल, संभव हो तो गंगाजल, दूध, चंदन, धूप और पुष्प लेकर शिव मंदिर जाना चाहिए। शिवलिंग का जल और दूध से अभिषेक करने के बाद अक्षत, पुष्प और चंदन अर्पित करें तथा ओम नमः शिवाय मंत्र का जप करते हुए बेलपत्र चढ़ाएं। अंत में भगवान शिव से अपने ज्ञात-अज्ञात पापों के लिए क्षमा याचना करें। यदि मंदिर उपलब्ध न हो तो बेल वृक्ष के समीप भी श्रद्धापूर्वक पूजा की जा सकती है।

भगवान शिव भाव के भूखे हैं। शास्त्रों में वर्णित है कि यदि कोई भक्त वेदमंत्रों का उच्चारण न भी जानता हो, किंतु सच्ची श्रद्धा से पुष्प, फल अथवा जल अर्पित करता है, तो भगवान शिव उस पर अवश्य प्रसन्न होते हैं। उनके लिए बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि निष्कपट भक्ति और निर्मल हृदय का महत्व सर्वोपरि है।

शिवपूजा के लिए तुलसी, पीपल, बरगद जैसे पवित्र वृक्षों के समीप, नदी या सरोवर के तट, पर्वत की चोटी, समुद्र किनारे, मंदिर, आश्रम, तीर्थ या किसी भी पावन स्थान को श्रेष्ठ माना गया है। पूजा में बेलपत्र पापों से मुक्ति प्रदान करता है, कमल शांति और समृद्धि देता है, दूर्वा आयु बढ़ाती है, धतूरा पुत्रसुख का प्रतीक माना गया है, आक प्रतिष्ठा में वृद्धि करता है, कनेर रोगों के निवारण तथा शमीपत्र पापनाश के लिए शुभ माना गया है। अभिषेक में शहद सिद्धि, दूध समृद्धि, कुशाजल रोगनाश, गंगाजल सर्वसिद्धि तथा ऋतुफलों का रस धनलाभ का प्रतीक माना गया है।

श्रावण मास केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समय नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, संयम, सेवा, करुणा और ईश्वर से आत्मिक संबंध स्थापित करने का पावन अवसर है।

सावन महीना, तामसिक भोजन से दूरी क्यों है जरूरी

सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। इस पवित्र महीने में भक्त पूजा, उपवास, शिव सेवा, जलाभिषेक और भगवान शिव से संबंधित मंत्रों का जाप आदि करते हैं। वहीं सावन के महीने में लोग सात्विक जीवनशैली अपनाते हैं। इस दौरान आध्यात्मिक अनुष्ठानों के अलावा कई घरों में प्याज, लहसुन, दही, कढ़ी और दूध आदि चीजों के सेवन करने की मनाही होती है। तो ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं सावन के महीने में इन चीजों को

खाने की मनाही क्यों होती है।

सावन का महीना

हिंदू मान्यताओं के मुताबिक सावन का महीना शरीर, मन और आत्मा की शुद्धि का समय होता है। ज्योतिष और पारंपरिक मान्यताओं के मुताबिक इस पवित्र महीने में भक्तों को सांसारिक मोह-माया और विकर्षणों आदि से दूर रहकर शिव भक्ति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस महीने में भोजन का बेहद योगदान होता है। क्योंकि माना जाता है कि यह आपके विचारों और भावनाओं पर असर डालता है। इसलिए कहा जाता है कि सादा और सात्विक खाना मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक संतुलन और एकाग्रता को बनाए रखने में मदद करता है।

प्याज और लहसुन परहेज क्यों

आयुर्वेद और योग दर्शन के मुताबिक लहसुन-प्याज को तामसिक या फिर राजसिक खाद्य पदार्थों में शामिल किया जाता है। जोकि इंद्रियों को उत्तेजित करने के अलावा बेचैनी बढ़ाता है और मानसिक शांति कम कर सकते हैं।

सावन का महीना ध्यान, मंत्र-जाप और आत्म अनुशासन के लिए समर्पित होता है। इस कारण भक्तों को तामसिक और राजसिक खाने की जगह दूध, फल, मेव और साधारण सब्जियों जैसे सात्विक खानों का चयन करना चाहिए। लहसुन और प्याज से परहेज करने से विचारों की शुद्धता बढ़ती है।

जानें दही खाना सही या नहीं

आयुर्वेद के मुताबिक सावन का महीना बारिश वाला होता है। जिस कारण से पाचन प्रोसेस स्वाभाविक रूप से कमजोर हो जाती है। दही पौष्टिक तो है, लेकिन कुछ लोगों को खासकर रात में दही खाने से पेट भारी लगने के अलावा बलगम की समस्या को पैदा कर सकता है। यह महीना मानसून के दौरान पड़ता है। जिस कारण कई परिवारों में मौसमी खानपान के तहत दही खाने से बचा जाता है।

जानें कढ़ी के सेवन से जुड़े नियम

सावन के महीने में कई लोग कढ़ी-दही और बेसन से बनी चीजों को खाने से परहेज करते हैं। आध्यात्मिक नजरिए से कई लोग सावन व्रत के दौरान खट्टे खाने की चीजों का कम सेवन करते हैं। जोकि सादगी और अनुशासन का प्रतीक है। यह लोग हैवी खाने की बजाय उबले आलू, साबूदाना, फल, दूध और मक्खन जैसे हल्के व्यंजन करना पसंद करते हैं। भारत का हर परिवार अपने-अपने तरीकों से सावन की परंपराओं को निभाता है। अलग-अलग हिस्सों में यह रीति-रिवाज अलग हो सकते हैं। कुछ लोग सावन के महीने में मांस-मछली, प्याज-लहसुन, दही और कढ़ी आदि का सेवन नहीं करते हैं। वहीं कुछ लोग सिर्फ सोमवार या खास व्रत में ऐसा करते हैं। सावन महीने का संदेश कृतज्ञता, पवित्रता और अनुशासन के साथ जीना है।

धान की उन्नत खेती और सही पैदावार के लिए अपनाएं यह तरीका

धान की उन्नत खेती और सही पैदावार के लिए अपनाएं यह तरीका ङ्क एक अच्छी पैदावार लेने के लिए भूमि का अच्छी तरह से तैयार किया जाना अति आवश्यक है। अच्छी तरह से तैयार की गयी खेती योग्य भूमि से खरपतवार दूर रहते हैं तथा भूमि में पाए जाने वाले जैव तत्व अच्छी तरह से तैयार हो जाते हैं। इसके साथ ही पौध रोपण के लिए आवश्यक नरम भूमि प्राप्त हो जाती है तथा सीधे बिजाई के लिए उपयुक्त समतल भूमि भी प्राप्त की जा सकती है।

धान की खेती योग्य भूमि को तैयार करने के लिए सामान्यत॰ 2 तरीके अपनाए जाते हैं, जिसमे zero tillage और minimum tillage मत्वपूर्ण है। इस प्रक्रिया से ना केवल भूमि की असमानता कम होती है बल्कि इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए जो कीचड़ प्रक्रिया अपनाई जाती है उससे भूमि संरचना काफी हद तक खराब हो जाती है।

मुख्यत॰ धान की खेती के लिए भूमि को तैयार करने के 4 चरण होते हैं

पहले चरण में खेत की जुताई के लिये गहरी जुताई का उपयोग किया जाता है।

दूसरे चरण में मिट्टी को उलट–पलट कर मिलाया जाता है। इसके उपरान्त मिट्टी के बड़े ढेलों को तोडऩे के लिए हैरोइंग का इस्तेमाल किया जाता है।

तीसरे चरण में खेत में मौजूद खरपतवार और फसलों के अवशेष को अच्छी तरह से भूमि में मिला दिया जाता है और इसके बाद खेत में अच्छी तरह से सिंचाई कर कीचड़ बनाया जाता है। जिससे की जमीन में नमी बन जाए तथा अंतिम चरण में पाटा लगाकर भूमि को समतल बना दिया जाता है। पिछले फसल के कटाई के उपरांत कुछ समय के लिए भूमि को खेती के लिए उपयोग में नहीं लाया जाता है। लेकिन अगली फसल के लिए खेत को उपयोग में लाने से पूर्व उपरोक्त प्रक्रिया अपनाई जाती है, जिससे की खरपतवार को नियंत्रित किया जाता है साथ ही भूमि की उर्वराशक्ति को भी बढ़ावा मिलता है। इन सारी प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए कम से कम 3 से 4 सप्ताह लग जाते हैं।

भूमि तैयार करने की प्रक्रिया

जुताई, मिट्टी के ढेलों की कटाई, ढेलों की तुड़ाई तथा मिट्टी को अलट–पलट करने से काफी हद तक या कुछ हद तक पौध रोपण के लिए खेत की तैयारी हो जाती है। गहरी जुताई से कृषकों को एक अच्छे संरचना वाली खेती योग्य भूमि मिल जाती है जिससे की पानी को सोखने की क्षमता के साथ भूमि में ऑक्सीजन का सुगम परिचालन हो जाता है। इसके अलावा जुताई से खरपतवार, कीट पतंगा का भी नाश हो जाता है। किसानों के लिए बाजार में जुताई के लिए विभिन्न प्रकार के मशीन मौजूद हैं लेकिन स्टिल कंपनी ने पावर वीडर रू॥ (710) अलग– अलग जुताई के पुर्जों के साथ किसानों के लिए उपलब्ध करवाया है जो कि ऊपर वर्णित प्रक्रियाओं को आसान बनाने में किसानों मदद करता है। हैरोइंग एक उथली–गहराई वाली माध्यमिक जुताई तकनीक है जो मिट्टी को महीन और चूर्ण करने के साथ–साथ खरपतवारों को काटने और मिट्टी के साथ मिलाने का काम करता है। खेत में खरपतवार, फसल अवशेष और खरपतवार बीजों को भी नष्ट करने में मदद करता है। यह प्रक्रिया तभी काम आती है जब मिट्टी के ढेलों में नमी की मात्रा कम हो जाती है। इस जटिल प्रक्रिया को कम समय में सफलतापूर्वक करने के लिए स्टिल पावर वीडर रू॥ (710) के साथ डीप टाइम अटैचमेंट के द्वारा आसानी से किया जा सकता है। धान की खेत में रोपाई से पूर्व कीचड़ बनाने की प्रक्रिया अत्यंत जटिल एवं मेहनतकश प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया के लिए सबसे पहले देशी हल से जुताई की जाती है, इसके बाद खेत में 5–10 सेमी पानी से भर दिया जाता है। जिससे मिट्टी के ढेले गलकर कीचड़ में परिवर्तित हो जाते हैं। इसके उपरान्त खेत में पाटा लगाकर खेत को रोपाई के लिए समतल बनाकर तैयार किया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया अत्यंत उबाऊ और जटिल होती है। इसके लिए स्टिल कंपनी पावर वीडर रू॥ (710) के साथ पोडलिंग व्हील अटैचमेंट एक अत्यंत आधुनिक पेशकश है। जिससे ना केवल धान के पौध रोपण के लिए खेत तैयार होती है बल्कि पौध रोपण के लिए उपयुक्त भूमि भी तैयार हो जाती है। ऐसा माना जाता है कि भूमि को समतल बनाने से ना केवल भूमि की उपयोगिता बढ़ती है बल्कि भूमि के समतल करने से, भूमि के सिंचाई के दौरान पानी की कम खपत होती है तथा एक सार पानी पूरे खेत में फैल जाता है। इस प्रक्रिया को अपनाने से ना केवल पानी के बहाव और फैलाव को नियंत्रित किया जाता है बल्कि इससे भूमि का कटाव भी रुकता है और इसके साथ–साथ पौध प्रस्थापना भी बेहतर होती है।

धान की खेती के लिए भूमि की तैयारी क्यों आवश्यक है

कीचड़ पद्धति द्वारा एक असामान्य खेत को समतल बनाया जाना चाहिए।

खेत में पानी की सामान्य गहराई को बनाए रखने के लिए।

असामान्य भूमि को समतल बनाकर पानी की दक्षता को बढ़ाना।

पानी की उपयोगिता को बढ़ाने के लिए भूमि का समतली करण अतिआवश्यक है।

एक अच्छी जुताई से खेती योग्य भूमि में ऑक्सीजन की उपलब्धता बन जाती है।

इस मौसम में धान की बेहतर उपज प्राप्त करने के लिए स्टिल के कृषि उपकरणों का उपयोग करें। अधिक जानकारी के लिए आप उनके आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं तथा उनके ऑफिशियल Id:info@stihl.in, संपर्क सूत्र॰ 9028411222 का उपयोग अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं।

वैज्ञानिक विधि अपनाकर किसान कर सकते हैं अधिक कमाई

केले की खेती के लिए अभी है सही समय

सामान्य तौर पर किसान पारंपरिक तरीके से केले की खेती करते हैं. अगर वे वैज्ञानिक तरीका अपनाएं तो उन्हें काफी फायदा हो सकता है. उनकी कमाई तीन गुना तक बढ़ सकती है. केले की खेती के लिए अभी है सही समय, वैज्ञानिक विधि अपनाकर किसान कर सकते हैं अधिक कमाई वैज्ञानिक विधि से केले की खेती कर किसान अधिक लाभ कमा सकते हैं. भारत में केले की लगभग 500 किस्मों की खेती होती है. केले की खेती से जुड़े किसान अभी तैयारियों में जुटे हुए हैं. यह अभी केले की खेती के लिए सबसे उपयुक्त समय है. सामान्य तौर पर किसान पारंपरिक तरीके से केले की खेती करते हैं. अगर वे वैज्ञानिक तरीका अपनाएं तो उन्हें काफी फायदा हो सकता है. उनकी कमाई तीन गुना तक बढ़ सकती है. वैसे तो अपने देश में पूरे साल केले की खेती होती है, लेकिन उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से और बिहार में अब इसके लिए उपयुक्त मौसम आ रहा है. देश में हरेक प्रदेश और भौगोलिक दशा के लिए केले की प्रजाति मौजूद है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि किसान वैज्ञानिक विधि अपनाकर किन किस्मों की खेती कर अधिक से अधिक पैदावार लें. फल वैज्ञानिक डॉ एसके सिंह TV~ Digital के जरिए देश के किसानों को कुछ टिप्स दे रहे हैं. डॉक्टर सिंह के मुताबिक, वाटर संकर चौड़ी पत्तियों वाले होते हैं. सकर सदैव स्वस्थ व उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों के पौधों से ही लेना चाहिए, जिसमें रोग एवं कीड़ों का प्रकोप बिल्कुल न हो. दो तीन माह पुराना ओजस्वी सकर प्रवर्धन हेतु अच्छा होता है. केले के प्रकन्द से ही नए पौधे तैयार हो सकते हैं. जल्द बहुत अधिक पौधे तैयार करने के लिए पूरा प्रकन्द या इसके टुकड़े काटकर प्रयोग में लाते हैं. इनसे पौधा बनने में थोड़ा अधिक समय अवश्य लगता है परन्तु पहली फसल के पौधे अधिक समरूप होते हैं.

खुद भी तैयार करें

प्रकन्द का औसत वजन लगभग एक से डेढ़ किलोग्राम होना चाहिए. सकर की खुदाई और उसकी सफाई के बाद उसका कार्बेन्डाजीम (0.1 प्रतिशत) मोनोक्रोटोफास (0.2 प्रतिशत) के जलीय घोल में 90 मिनट तक डालकर शोधन करते हैं. इसके बाद सकर को 7 दिन तक धूप मे रखकर उसके जीवाणु या फफूंद विहीन कर देते हैं. जहां सूत्रकृमि की समस्या हो, वहां पर सकर को गाय के गोबर मे डूबोने के पश्चात नीम आधारित कीटनाशक से शोधन के पश्चात नीम की खली प्रति 2–3 किलोग्राम या गड्ढा प्रयोग करना चाहिए. रोपण हेतु सकर के चयन मे विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि रोपण सामग्री के समान नहीं होने की वजह से केला की फसल भी एक समान नहीं होती है, जिससे उसकी कटाई के समय में भारी अंतर आता है और फसल का प्रबंधन कठिन हो जाता है.

टिशू कल्चर वाला पौधा

पॉलीथिन थैले में 8–10 इंच ऊंचाई के उतक संवर्धन द्वारा तैयार पौधे रोपण हेतु उपयुक्त होते हैं. पॉलीथिन के पैकेटों को तेज चाकू या ब्लेड से काटकर अलग कर देते हैं और पौधों को निकाल लेते हैं. ध्यान यह देना चाहिए कि मिट्टी की पिंडी न फुटने पाए. पहले से भरे गए गड्ढों के बीचो–बीच मिट्टी के पिंडी के बराबर छोटा सा गड्ढा बनाकर पौधे को सीधा रख देना चाहिए. पौधे की जड़ों को बिना हानि पहुचाएं पिंडी के चारों ओर मिट्टी भरकर अच्छी प्रकार दबा देना चाहिए ताकि सिंचाई के समय मिट्टी में गड्ढे न पड़ें. बहुत अधिक गहराई में रोपण कार्य नहीं करना चाहिए. केवल पौधे की पिंडी तक ही मिट्टी भरनी चाहिए.

रोपण में दूरी

रोपण के दौरान पौधे से पौधा एवं पंक्ति से पंक्ति की दूरी विभिन्न कारकों द्वारा प्रभावित होती है जैसे, केला की किस्म, खेती करने की विधि, मृदा की उर्वरता इत्यादि. केला की परंपरागत खेती में विभिन्न किस्मों के लिए रोपण की दूरी भी भिन्न–भिन्न निर्धारित की गई है जो इस प्रकार है।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
Frigate SolarTech
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

शब्दवाणी समाचार

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	5.90 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	4.18 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	3.72 प्रतिशत
ट्रेंट	3.54 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	1.20 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,49,724
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,28,350
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	96.34	93.27
पौड स्टर्लिंग	130.17	125.58
यूरो	111.66	107.51
चीन युआन	14.99	13.27

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

गोबरधन योजना से सृजित होंगे 1.5 लाख रोजगार : सरकार

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि केंद्र सरकार की हाल ही में घोषित 'गोबरधन' (राष्ट्रीय सर्कुलर बायो-एनर्जी योजना) के माध्यम से भारत की आयात पर निर्भरता कम होगी और 40,000 करोड़ रुपए से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत की जा सकेगी। साथ ही यह क्षेत्र राष्ट्रीय जीडीपी में 75,000 करोड़ रुपए से अधिक का योगदान देगा और लगभग 1.5 लाख नए रोजगार पैदा करेगा।

सरकारी बयान के अनुसार, यह योजना अगले दस वर्षों में कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन को लगभग दस गुना बढ़ाने में मदद करेगी। इसके साथ ही यह निजी निवेश को आकर्षित करेगी, सर्कुलर बायोइकोनॉमी को बढ़ावा देगी और उत्पादकों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए विशेष सीबीजी ऑफटेक एश्योरेंस फ्रेमवर्क स्थापित करेगी। इस योजना के तहत उत्पादित स्वदेशी और स्वच्छ गैस जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद करेगी। अनुमान है कि इससे करीब एक करोड़ मीट्रिक टन (10 मिलियन टन) जीवाश्म ईंधन के उपयोग को प्रतिस्थापित किया जा सकेगा। सरकारी बयान के अनुसार, जैविक कचरे को लैंडफिल में जाने से रोकने से 40 मिलियन टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में कमी

40 हजार करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा की होगी बचत

आएगी। साथ ही लगभग 250 मिलियन मीट्रिक टन जैविक उर्वरक का उत्पादन होगा, जो कृषि क्षेत्र के लिए भी बड़ा लाभ साबित हो सकता है।

गोबरधन योजना के तहत सीबीजी उत्पादकों को बाजार की निश्चितता देने के लिए गैस खरीद की गारंटी दी जाएगी। सरकार ने 2,110 रुपए प्रति एमएमबीटीयू की प्रशासित कीमत निर्धारित की है। इसके अलावा परियोजनाओं को प्रति टन प्रतिदिन क्षमता पर 2 करोड़ रुपए तक की पूंजीगत सहायता मिलेगी और एमएसएमई इकाइयों को 85 प्रतिशत तक क्रेडिट गारंटी का लाभ भी दिया जाएगा। सरकार ने कहा कि परिवहन, घरेलू उपयोग, उद्योग और वाणिज्यिक क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस की मांग लगातार बढ़ रही है।

ऐसे में घरेलू स्तर पर उत्पादित कंप्रेस्ड बायोगैस इस मांग का बड़ा हिस्सा पूरा कर सकती है। सीबीजी रासायनिक रूप से प्राकृतिक गैस के समान होती है और इसे मौजूदा गैस वितरण नेटवर्क में बिना किसी बड़े बदलाव के शामिल किया जा सकता है।

इससे नवीकरणीय ऊर्जा के लाभों को देश के बढ़ते गैस बुनियादी ढांचे के साथ जोड़ा जा सकेगा। हर सीबीजी संयंत्र स्थानीय स्तर पर कृषि अवशेष, गोबर और अन्य जैविक अपशिष्टों के उपयोग पर आधारित एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था विकसित करेगा।

पीएलआई में फार्मास्युटिकल सेक्टर के लिए जारी की गई 6,659 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) के जरिए फार्मास्युटिकल सेक्टर को मार्च 2026 तक 6,659 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा चुकी है। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि फार्मास्युटिकल सेक्टर के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना- पीएलआई वित्त वर्ष 2022-23 में आरंभ हुई। इस योजना में कुल 15,000 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय में से, मार्च 2026 तक 6,659 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जा चुकी है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि थोक दवाओं के लिए पीएलआई योजना के तहत , कुल 6,940 करोड़ रुपए के परिव्यय में से मार्च 2026 तक 87.70 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। थोक दवाओं संबंधी पीएलआई परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भूमि अधिग्रहण में लगने वाले समय, पर्यावरण मंजूरी, उच्च उपयोगिता लागत, फर्मन्टेशन यानी किण्वन आधारित थोक औषधियों के लिए लंबी निर्माण अवधि आदि जैसी कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ा है। रासायनिक संश्लेषण के विपरीत, किण्वन जीवित कोशिकाओं की जैविक गतिविधि पर निर्भर करता है, जिनकी वृद्धि की गति प्राकृतिक और धीमी होती है। इन सब कारणों से परियोजनाएं आरंभ होने में देरी हुई। इससे निधि वितरण भी प्रभावित हुआ क्योंकि प्रोत्साहन राशि इन परियोजनाओं में निर्मित उत्पादों की बिक्री के आधार पर जारी की जाती है।

भारत का घरेलू आर्थिक आधार मजबूत : जेफरीज

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। जेफरीज के इक्विटी स्ट्रेटजी के ग्लोबल हेड क्रिस्टोफर वुड ने भारत को लेकर सराकात्मक रुख दोहराते हुए, देश की मजबूत होती आर्थिक बुनियाद, कर्ज वृद्धि में सुधार और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की वापसी का हवाला देते हुए भारत-केंद्रित अपने इक्विटी पोर्टफोलियो में भी बदलाव किए हैं। अपने ताजा ग्रीड एंड फियर नोट में वुड ने कहा कि जुलाई में विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों के शुद्ध खरीदार बन गए और उन्होंने 2.45 अरब डॉलर का निवेश किया। यह ऐसे समय हुआ जब वैश्विक निवेशकों ने टेक्नोलॉजी आधारित मेमोरी ट्रेड से जुड़े अपने निवेश को कम किया।

उन्होंने कहा कि बेहतर होते व्यापक आर्थिक संकेतकों के कारण भारत उभरते बाजारों में अब भी अलग नजर आ रहा है। 2026

■ एफपीआई निवेश में आएगी तेजी

के दौरान बैंक लोन वृद्धि सालाना आधार पर 17-18 प्रतिशत तक तेज हुई है, जो एक दशक से अधिक समय में सबसे तेज रफ्तार है। नोट के अनुसार, कॉरपोरेट लोन बैंक कर्ज विस्तार का सबसे मजबूत चालक बनकर उभरा है और इसमें सालाना आधार पर करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, कृषि और खुदरा क्षेत्रों को दिए गए कर्ज में क्रमश: 17 प्रतिशत और 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

ऑटोमोबाइल और आवासीय संपत्तियों की मांग भी मजबूत बनी हुई है।

एलएंडटी को ओएनजीसी से मिले बड़े ऑर्डर

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। निर्माण एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र की कंपनी एलएंडटी की इकाई एलएंडटी एनर्जी हाइड्रोकार्बन ऑफशोर को तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) से देश के पश्चिमी तट पर पाइपलाइन बदलने की परियोजना और तेल के कुएं के लिए प्लेटफॉर्म बनाने की परियोजना के लिए एक साथ कई ऑर्डर प्राप्त हुए हैं।

पाइपलाइन बदलने की परियोजना के तहत ओएनजीसी के अपतटीय क्षेत्रों में समुद्र के नीचे से गुजरने वाली कई पाइपलाइन खंडों की इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण, स्थापना और कमीशनिंग (ईपीसीआईसी) के साथ-साथ संबंधित संशोधन कार्य किए जाएंगे। इन ऑर्डरों की कुल राशि पांच हजार से 10 हजार करोड़ रुपए के बीच

■ 5-10 हजार करोड़ रुपए के बीच ऑर्डरों की कुल राशि

है। तेल के कुओं के लिए प्लेटफॉर्म बनाने की परियोजना के अंतर्गत चार प्लेटफॉर्म की इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण, स्थापना और कमीशनिंग का कार्य किया जाएगा। एलएंडटी एनर्जी हाइड्रोकार्बन ऑफशोर अपतटीय तेल एवं गैस उद्योग के लिए एकीकृत ईपीसीआईसी समाधान प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी है।

वैश्विक तनाव से लाल हुआ शेयर बाजार

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वित्तीय सेवाओं और बैंक शेयरों में गिरावट के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर नए सिरे से बनी अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने मध्य पूर्व में संभावित शांति समझौते पर संदेह पैदा कर दिया, जिसके चलते घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्क दबाव में रहे।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.59 अंकों यानी 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,499.17 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 65.35 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ

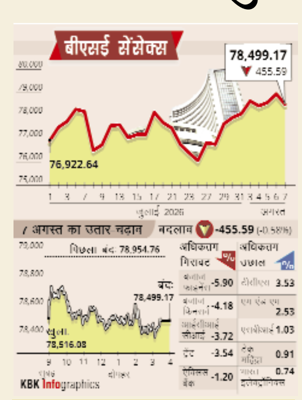

■ सेंसेक्स 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,499.17 अंक पर रहा

■ निफ्टी 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ

24,570.65 पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में निफ्टी मिडकैप में 0.22 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.05 प्रतिशत की गिरावट आई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई, तो वहीं निफ्टी ऑटो और निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखने को मिली। इसके अलावा, निफ्टी मेटल और निफ्टी पीएसयू बैंक में भी तेजी देखने को मिली। निफ्टी50 इंडेक्स में ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टीसीएस, हिंडाल्को, एमएंडएम, एचसीएल टेक और एसबीआई के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, ट्रेंट, आईसीआईसीआई बैंक, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और श्रीराम फाइनेंस के शेयर सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे।

सार संक्षेप

आंध्र प्रदेश ने की 1,600 मेगावाट बिजली खरीदने की तैयारी

अमरावती। आंध्र प्रदेश राज्य में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने और लंबे समय की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 1,600 मेगावाट कोयले से चलने वाली थर्मल बिजली खरीदेगा। आंध्र प्रदेश इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने राज्य की बिजली वितरण कंपनियों को खरीद के लिए प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया शुरू करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बिजली की खरीद 'डिजाइन, बिल्ड, फाइनेंस, ओन और ऑपरेट' मॉडल का इस्तेमाल करते हुए इलेक्ट्रिसिटी एक्ट, 2003 की धारा 63 के तहत टैरिफ-बेस्ड कॉम्पिटिटिव बिडिंग के जरिए की जाएगी। बोली लगाने की प्रक्रिया केंद्रीय बिजली मंत्रालय द्वारा जारी किए गए 'रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन', 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल' व 'पावर सप्लाई एग्रीमेंट' जैसे स्टैंडर्ड डॉक्युमेंट्स पर आधारित होगी।

एसबीआई ने पहली तिमाही में कमाया रिकॉर्ड मुनाफा

मुंबई। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 21,121 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया जो सालाना आधार पर 10.23 प्रतिशत का उछाल है। तिमाही के दौरान ब्याज से प्राप्त बैंक की शुद्ध आय 14.88 प्रतिशत बढ़कर 46,992 करोड़ रुपए और परिचालन लाभ 9.77 फीसदी बढ़कर 33,529 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। बैंक ने तिमाही के दौरान कुल 110 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया। उसके पास ग्राहकों की जमा राशि 60 लाख करोड़ रुपए और ग्राहकों को दिया गया कर्ज 50 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। ऋण उठाव 18.63 प्रतिशत और जमा 9.73 प्रतिशत बढ़ा। तिमाही के दौरान बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) का अनुपात एक साल पहले की तुल 36 आधार अंक कम होकर 1.47 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए नौ आधार अंक घटकर 0.38 प्रतिशत रह गया।

जुलाई में ईवी की खुदरा बिक्री में 66 प्रतिशत वृद्धि

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री जुलाई में सालाना आधार पर 66 प्रतिशत बढ़कर 3,27,901 इकाई पर पहुंच गई। वाहन डीलरों के महासंघ फाडा द्वारा शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में बिकने वाला तकरीबन हर आठवां वाहन अब इलेक्ट्रिक है। इलेक्ट्रिक दुपहिया की बिक्री पहली बार दो लाख के पार पहुंची है। अब 11.2 प्रतिशत दुपहिया ईवी हैं। जुलाई में देश में कुल 2,04,362 इलेक्ट्रिक दुपहिया बिके जो एक साल पहले के मुकाबले 88 प्रतिशत अधिक है। टीवीएस के इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 135 फीसदी बढ़कर 55,499 इकाई पर पहुंच गई। बजाज ऑटो की बिक्री 122 प्रतिशत बढ़ी और 45,613 इकाई पर रही। एथर एनर्जी 30,357 इकाई के साथ तीसरी स्थान पर रही। इसकी बिक्री में 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

एएससीआई ने गर्मी से जुड़े उत्पादों के 40 विज्ञापनों में से 39 में पाई कमियां

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। एडवर्टाइजिंग स्टैंडर्ड काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) ने अप्रैल और जून के बीच गर्मियों के मौसम पर केंद्रित पर्सनल केयर, कूलिंग अप्लायंसेस, एयर प्यूरीफायर, सनस्क्रीन, वियरेबल्स और ट्रैवल से जुड़े उत्पादों सहित अलग-अलग कैटेगरी के 40 विज्ञापनों की जांच की जिनमें से 39 को आदर्श मानकों की दृष्टि ये कमियां पायी गई और संस्था ने इनमें बदलाव की जरूरत पर बल दिया है।

■ संस्था ने इनमें बदलाव की जरूरत पर बल दिया

इनमें केवल एक विज्ञापन ही अपने दावों को सही साबित कर सका । एएससीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार उपरोक्त 39 में से 21 विज्ञापनों को बिना किसी आपत्ति के संशोधित किया गया या वापस ले लिया गया, जबकि 18 विज्ञापनों को एएससीआई की उपभोक्ता शिकायत परिषद (सीसीसी) ने आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए पाया। गर्मी के उत्पादों के विज्ञापनों में किए गए दावों की समीक्षा पर संस्थान की रिपोर्ट 'द

नयी चीजें व नए विचार अच्छी बात हैं, लेकिन विज्ञापनों में किए गए दावों का सच्चा होना भी जरूरी है : मनीषा कपूर, महासचिव

हीट इज़ ऑन' में सामने आए हैं। यह रिपोर्ट दिखाती है कि एएससीआई कुछ खास क्षेत्रों में सामने आ रहे दावों की गहराई से जांच करने के लिए लगातार प्रतिबद्ध है। एएससीआई की सीईओ और महासचिव मनीषा कपूर ने कहा, ' नयी चीज़ें और नए विचार अच्छी बात हैं, लेकिन विज्ञापनों में किए गए दावों का सच्चा होना भी ज़रूरी है। हमारी जांच में सामने आया कि कई विज्ञापन बढ़ा-चढ़ाकर दावे कर रहे थे, जिन्हें वे सच साबित नहीं कर पाए, वहीं कुछ विज्ञापनों ने गलत सोच और भेदभाव को बढ़ावा दिया। सही और ज़िम्मेदार विज्ञापन लोगों को सही सामान चुनने में मदद करते हैं और कंपनियों पर उनका भरोसा बढ़ाते हैं।

एएससीआई की विज्ञप्ति के अनुसार हर साल गर्मी के मौसम में ब्रांड उपभोक्ताओं का ध्यान खींचने के लिए गर्मी से राहत, धूप से सुरक्षा और तुरंत निखार का वादा जैसे कई तरह के दावे करते हैं। क्या ये मौसमी दावे ठोस सबूतों पर टिके हैं? इसकी जांच के लिए एएससीआई ने यह कवायद की। रिपोर्ट के अनुसार सन प्रोटेक्शन और टैन रिमूवल उत्पादों के विज्ञापन उल्लंघन करने वाली सबसे बड़ी श्रेणी के रूप में उभरे, इसके बाद कूलिंग, एयर प्यूरिफिकेशन और इंडोर कम्फर्ट से जुड़े होम अप्लायंसेस और फर्निशिंग्स की श्रेणी रही। इंस्टैंट ब्यूटी ट्रांसफॉर्मेशन यानी तुरंत निखार लाने का दावा करने वाले विज्ञापन बड़े पैमाने पर बने रहे, जिनमें विज्ञापनों द्वारा '30 सेकंड में टैन हटाएं और पाएं निखार', 'पांच दिनों में दिखाई देने वाला अंतर' और 'दो मिनट में जिद्दी टैन हटाएं' जैसे परिणाम देने का वादा किया गया था।

रेलवे ने खाद्य नियमों के उल्लंघन के मामले में कैटरर्स पर लगाए जुर्माना

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता से समझौता करने वाले कैटरिंग सेवा प्रदाताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि पिछले तीन वर्षों के दौरान खाद्य गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन के मामलों में कैटरर्स पर कुल 5.13 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया है और 6 कैटरिंग ठेके रद्द किए गए हैं।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अन्य दंडात्मक कदम भी उठाए गए हैं। इनमें 54 कारण बताओ नोटिस (शो-कॉज नोटिस) जारी करना और कई लाइसेंसधारकों को ब्लैकलिस्ट या डिबार करना शामिल है।

मंत्री ने कहा कि भारतीय रेलवे हर वर्ष औसतन 58 करोड़ भोजन पैकेट यात्रियों को उपलब्ध कराता है। इसके मुकाबले भोजन की गुणवत्ता से संबंधित शिकायतों की

6 कैटरिंग ठेके किए रद्द

संख्या बेहद कम है और यह कुल परोसे गए भोजन का मात्र 0.0008 प्रतिशत है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जिन लाइसेंसधारकों को डिबार किया गया है, उनकी सूची आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराई जाती है, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। रेल यात्रियों का भरोसा बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे और आईआरसीटीसी ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसके तहत रेलवे अधिकारियों और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा नियमित तथा औचक निरीक्षण किए जाते हैं।

सोने-चांदी में उछाल, करीब 1.1 प्रतिशत तक बढ़े दाम

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार को उछाल देखने को मिला है और इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 1.1 प्रतिशत तक बढ़ गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,48,858 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,49,355 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 10 बजे यह 793 रुपए या 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,49,651 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,49,164 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,49,648 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,25,836 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,27,993 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 2,549 रुपए या 1.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,28,385 रुपए प्रति किलो पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,27,481 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,28,401 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। सोना 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,323 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.43 प्रतिशत की बढ़त के साथ 62.49 डॉलर प्रति औंस पर था। जानकारों ने कहा कि हाल की तेजी को कमजोर अमेरिकी डॉलर और संभावित अमेरिका-ईरान परमाणु समझौते को लेकर बढ़ती उम्मीदों का समर्थन मिला है, जिससे भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बावजूद बाजार का मूड सकारात्मक बना हुआ है।

सीएएस से मार्केट में एकरूपता आएगी व प्राइस डिस्कवरी में होगा सुधार : सेबी

मुंबई, 7 अगस्त (एजेंसियां)। नए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) सिस्टम से घरेलू एक्सचेंज पर एक ही समय पर एक ही शेयर की अलग-अलग क्लोजिंग प्राइस पर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा है कि यह एक रणनीतिक बदलाव है और इससे मार्केट में एकरूपता आएगी और प्राइस डिस्कवरी में सुधार होगा। अपनी एनुअल रिपोर्ट में बाजार रेगुलेटर ने कहा कि क्लोजिंग प्राइस डिस्कवरी को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के लिए, इक्विटी कैश सेगमेंट के लिए 20 मिनट का एक खास क्लोजिंग ऑक्शन सेशन 3 अगस्त, 2026 से चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है।

सेबी ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'इक्विटी कैश सेगमेंट में शेयरों की क्लोजिंग प्राइस तय करने के तरीके को दुनिया के दूसरे बड़े बाजारों के साथ एक जैसा करने और सभी तरह के निवेशकों को निष्पक्ष, समान और पारदर्शी

■ भारतीय कैपिटल मार्केट में पैसिव इन्वेस्टिंग की ओर एक बड़ा बदलाव देखा गया

पहुंच देने के लिए सीएएस का एक फ्रेमवर्क पेश किया गया है। इसके अतिरिक्त, एनुअल रिपोर्ट में सेबी ने कहा कि भारतीय कैपिटल मार्केट में पैसिव इन्वेस्टिंग की ओर एक बड़ा बदलाव देखा गया है। अब पैसिव फंड्स की हिस्सेदारी 31 मार्च, 2026 तक एफपीआई इक्विटी एयूएम का लगभग 30 प्रतिशत और घरेलू म्यूचुअल फंड इक्विटी एयूएम का 28 प्रतिशत है। इस ग्रोथ के साथ-साथ एमएससीआई और एफटीएसई जैसे ग्लोबल इंडेक्स में भारतीय शेयरों का वेटेज भी बढ़ा है, जो अब 12 प्रतिशत से 30 प्रतिशत के बीच है। इससे ट्रैकिंग एरर को कम करने के लिए क्लोजिंग प्राइस पर सटीक तरीके से ट्रेड पूरा करने की मांग बढ़ गई है।

सेबी ने बताया, 'पहले, भारत में वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस (वीडब्ल्यूएपी) तरीके पर निर्भरता के कारण अक्सर इंट्राडे प्राइस में उतार-चढ़ाव और अस्थिरता देखने को मिलती थी, खासकर इंडेक्स रीबैलेंसिंग के दौरान, क्योंकि मार्केट के लिए रियल-टाइम में बड़े इंस्टीट्यूशनल फ्लो को संभालना मुश्किल होता था। इन चुनौतियों से निपटने और एनवाईएसई, एलएसई और एचकेईएक्स जैसे मार्केट में अपनाए जाने वाले इंटरनेशनल बेस्ट प्रैक्टिस के अनुरूप होने के लिए, सेबी ने क्लोजिंग ऑक्शन सेशन शुरू किया है।

मानसून में सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी रखना जरूरी

पेट दर्द, उल्टी, दस्त, गैस जैसी बीमारियों के बढ़ सकते हैं मामले

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बारिश का मौसम आते ही गर्मी से राहत मिलती है, लेकिन इस मौसम में सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी रखना भी जरूरी होता है। बारिश के दिनों में हवा में नमी ज्यादा होती है, जिसके कारण बैक्टीरिया और कीटाणु तेजी से बढ़ने लगते हैं। यही वजह है कि इस समय पेट दर्द, उल्टी, दस्त, गैस और खाने से होने वाली बीमारियों के मामले बढ़ जाते हैं। मानसून में हमारा पाचन तंत्र भी थोड़ा कमजोर होता है, इसलिए इस मौसम में ऐसा खाना खाना चाहिए जो साफ, ताजा और आसानी से पच सके। कुछ ऐसी चीजें हैं, जिनसे बारिश के मौसम में बचना चाहिए।

हरी पत्तेदार सब्जियां : पालक, मेथी, बथुआ और दूसरी हरी सब्जियां शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इनमें आयरन, फाइबर और कई जरूरी विटामिन पाए जाते हैं, जो शरीर को ताकत देते हैं और खून बनाने में मदद करते हैं। लेकिन बारिश के मौसम में इन सब्जियों में मिट्टी, छोटे कीड़े और गंदगी ज्यादा चिपक सकती है। नमी के कारण इनमें कीटाणु भी बढ़ सकते हैं। इसलिए अगर हरी सब्जियां खानी हैं तो उन्हें अच्छी तरह धोकर और पूरी तरह पकाकर ही खाएं। अधपकी या ठीक से साफ न की गई सब्जियां पेट की परेशानी बढ़ा सकती हैं।

खुले में रखे फल और स्ट्रीट फूड : बारिश में सड़क किनारे मिलने वाले कटे हुए फल, चाट, गोलगप्पे और दूसरी खुली चीजों को खाने से बचना चाहिए। खुले में रखे खाने पर मक्खियां बैठती हैं और धूल-मिट्टी भी जमा होती है। ऐसे खाने में कीटाणु पहुंचने का खतरा रहता है, जिससे पेट खराब, उल्टी या दस्त जैसी समस्या हो सकती है। फलों को घर लाकर अच्छी तरह धोकर खाएं।

छोटी सी गलती से बिगड़ सकती है सेहत

बहुत ज्यादा ठंडी चीजें : बारिश के मौसम में आइसक्रीम, बर्फ वाले पेय और बहुत ठंडी चीजें खाने का मन करता है। हालांकि, ज्यादा ठंडी चीजें कुछ लोगों में गले की परेशानी, खांसी या पेट की समस्या बढ़ा सकती हैं।

तली हुई चीजें : बारिश में पकौड़े, समोसे और कचौड़ी खाने का मजा अलग होता है। लेकिन इनमें तेल की मात्रा ज्यादा होती है। ज्यादा तेल वाला खाना पचने में समय लेता है और गैस, एसिडिटी या पेट भारी होने की समस्या पैदा कर सकता है। इसलिए मानसून में तली हुई चीजें कभी-कभी और कम मात्रा में खाना बेहतर होता है।

बासी खाना : बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब होता है। कई लोग बचे हुए खाने को दोबारा गर्म करके खा लेते हैं, लेकिन ऐसा खाना हमेशा सुरक्षित नहीं होता। लंबे समय तक रखा हुआ खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है। कोशिश करें कि हर बार ताजा बना हुआ खाना ही खाएं।

दूध और मिठाई : दूध, मिठाई और क्रीम वाली चीजें जल्दी खराब हो सकती हैं। बारिश में नमी ज्यादा होने के कारण इनमें कीटाणु बढ़ने का खतरा रहता है।

बच्चों की सेहत के लिए जरूरी हैं फल व सब्जियां

- बच्चों की प्लेट में गाजर, मटर, पालक, शकरकंद और चुकंदर जैसी सब्जियां करें शामिल
- करीब 7 से 8 महीने की उम्र तक बच्चे खाद्य पदार्थ खाने की आदत कर सकते हैं विकसित

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। बच्चों की अच्छी सेहत और सही विकास के लिए फल और सब्जियां बहुत जरूरी हैं। छोटी उम्र में बच्चे जो खाना सीखते हैं, उसका असर उनकी आगे की खाने की आदतों पर भी पड़ता है। इसलिए शुरुआत से ही बच्चों को अलग-अलग तरह की सब्जियां और फल खिलाने की कोशिश करनी चाहिए।

बच्चों के लिए फल और सब्जियां तैयार करते समय उन्हें छोटे और आसानी से खाने लायक टुकड़ों में काटना अच्छा रहता है। इन्हें छोटे-छोटे कंटेनर में पहले से तैयार करके रखा जा सकता है, ताकि बच्चे को भूख लगने पर तुरंत हेल्दी स्नैक दिया जा सके। बच्चे को कितनी मात्रा में फल और सब्जियां चाहिए, यह उसकी उम्र और शारीरिक गतिविधि पर निर्भर करता है। सामान्य तौर पर 12 से 23 महीने के बच्चों को रोजाना करीब एक सर्विंग (करीब 75-100 ग्राम) फल और लगभग सवा सर्विंग (तीन चौथाई कप) सब्जियों की जरूरत हो सकती है। वहीं 2 से 4 साल की उम्र में करीब एक से डेढ़ सर्विंग (एक से डेढ़ कप कटे हुए) फल और लगभग सवा से पौने दो सर्विंग सब्जियां दी जा सकती हैं।

बच्चों की प्लेट को जितना रंग-बिरंगा बनाया जाए, उतना ही उन्हें अलग-अलग खाद्य पदार्थ आजमाने में रुचि हो सकती है। इसे आप रेनबो प्लेट की तरह बना सकते हैं। बच्चों की प्लेट में गाजर, मटर, पालक, शकरकंद और चुकंदर जैसी सब्जियां शामिल की जा सकती हैं। फलों में केला, स्ट्रॉबेरी, नाशपाती, संतरा, खरबूजा और एवोकाडो जैसे विकल्प दिए जा सकते हैं, हालांकि सिर्फ फल और सब्जियां ही पर्याप्त नहीं हैं। बच्चों की डाइट में प्रोटीन, डेयरी और साबुत अनाज जैसे दूसरे पोषक खाद्य पदार्थ भी शामिल होने चाहिए। जब बच्चा करीब 6 महीने का हो जाए, तब आमतौर पर मां के दूध या शिशु फॉर्मूला के साथ दूसरे खाद्य पदार्थों की शुरुआत की जा सकती है। इन्हें कॉम्प्लिमेंटरी फूड कहा जाता है। ज्यादातर बच्चों के लिए अलग-अलग खाद्य पदार्थ शुरू करने का कोई निश्चित क्रम जरूरी नहीं होता। करीब 7 से 8 महीने की उम्र तक बच्चे कई अलग-अलग फूड ग्रुप के खाद्य पदार्थ खाने की आदत विकसित कर सकते हैं। इस दौरान बच्चे को अलग-अलग पोषक तत्व देना जरूरी है, क्योंकि शरीर और दिमाग के विकास के लिए कई तरह के विटामिन और मिनरल्स की जरूरत होती है। बच्चे जैसे-जैसे बड़े होते हैं, उन्हें नए-नए खाद्य पदार्थों से परिचित कराते रहना चाहिए। एक से दो साल की उम्र के बीच बच्चे धीरे-धीरे परिवार के साथ खाना खाने की आदत विकसित करने लगते हैं।

मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया ने दूसरे बिजनेस आइकन अवॉर्ड्स 2026 में दिग्गजों को किया सम्मानित

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया ने द्वितीय बिजनेस आइकन अवॉर्ड्स 2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस अवसर पर बिजनेस, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन, लोक प्रशासन, मीडिया और कॉरपोरेट संचार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिष्ठित पेशेवरों और संगठनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मीडिया फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस आयोजन को गेल (इंडिया) लिमिटेड, एनटीपीसी, ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस, दिल्ली कॉन्ट्रैक्ट बस एसोसिएशन, रेवेन्यू न्यूज, सन एविएशन प्राइवेट लिमिटेड, अरुण भारत और वैक्सीन इंडिया ट्रस्ट का सहयोग प्राप्त हुआ। समारोह में कई प्रतिष्ठित अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. अजय गंभीर, डॉ. अंजू गंभीर और श्री ओम प्रकाश, पूर्व अतिरिक्त निदेशक, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, प्रमुख रूप से शामिल रहे। अवार्ड समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डॉ. हरीश सभरवाल, प्रोफेसर (डॉ.) सिम्मी रत्तन, श्री विजेंदर सिंह, प्रोफेसर शिल्पा शर्मा, श्री गौरव शर्मा, श्री रवि नायर, वेदांता बाल्को (श्री विजय बाजपेयी द्वारा प्रतिनिधित्व), श्री शाहिद सईद, श्री राजेंद्र कुमार, डॉ. जहीरूद्दीन, सुश्री प्रतीक्षा, श्री कुलदीप शर्मा और श्री आशुबोध देवड़ी शामिल रहे। श्री आशुबोध देवड़ी को राजनीतिक जनसंपर्क में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

स्पाइडर-मैन की खास मौजूदगी ने सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल के कलाकारों को ले गया पुरानी यादों में

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल ने हाल ही में दर्शकों को एक रोमांचक सुपरहीरो ट्विस्ट से चौंका दिया, जब फ्रेंडली नेबरहुड स्पाइडर-मैन ने शो में विशेष उपस्थिति दर्ज की। ऑन-स्क्रीन क्रॉसओवर ने हर उम्र के दर्शकों के चेहरे पर मुस्कान ला दी, वहीं सेट पर कलाकारों के बीच पुरानी यादें ताज़ा हो गईं। उन्होंने उन सुपरहीरोज़ के बारे में बातचीत की जिन्हें वे बचपन में पसंद करते थे और उनसे जुड़ी यादों को साझा किया।

मुस्कान बामने ने बताया 'मैंने हमेशा स्पाइडर-मैन को पसंद किया है क्योंकि वह बहुत रिलेटेबल लगता था। वह युवा था, मज़ाकिया था, कभी-कभी थोड़ा अनाड़ी भी, लेकिन जब भी ज़रूरत पड़ती थी, वह दूसरों की मदद करने के लिए आगे आता था।

दीक्षा जोशी ने बताया 'मैं हमेशा से बैटमैन की बहुत बड़ी फ़ैन रही हूँ क्योंकि उसने साबित किया कि हीरो बनने के लिए सुपरपावर की ज़रूरत नहीं होती। उसकी बुद्धिमत्ता, अनुशासन और दृढ़ संकल्प ही उसे इतना प्रेरणादायक बनाते हैं।

अक्षया हिंदालकर, जो राशी ने कहा 'मेरे लिए बचपन में सुपरहीरो हमेशा कृष ही था। मुझे याद है कि मैं उसकी इमारतों पर आसानी से छलांग लगाने और अपनी शक्तियों से लोगों की मदद करने की क्षमता से पूरी तरह मोहित हो जाता था। लेकिन जो बात मुझे सबसे ज़्यादा प्रभावित करती थी, वह थी उसकी विनम्रता और दयालुता, भले ही वह इतना शक्तिशाली था। बचपन में हम सब चाहते थे कि हम कृष जैसे बनें और दिन बचाने की कल्पना करते थे।

रोजमर्रा की आदतों से भी प्रभावित होता है माइग्रेन का दर्द

- गलत खान-पान, नींद की कमी, तनाव, जैसी कुछ गलत आदत
- खाने में फल, हरी सब्जियां, प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्व करें शामिल

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में सिरदर्द एक आम समस्या बन गई है, लेकिन हर सिरदर्द सामान्य नहीं होता। कुछ लोगों को बार-बार होने वाला तेज दर्द, रोशनी और आवाज से परेशानी, जी मिचलाना या कमजोरी जैसी समस्याएं महसूस होती हैं, जिसे माइग्रेन कहा जाता है। यह सिर्फ सिर में दर्द की स्थिति नहीं है, बल्कि यह शरीर के तंत्रिका तंत्र से जुड़ी एक जटिल समस्या है।

विशेषज्ञों के अनुसार, माइग्रेन का दर्द कई बार हमारी रोजमर्रा की आदतों से भी प्रभावित होता है। गलत खान-पान, नींद की कमी, तनाव, शरीर में पानी की कमी और जीवनशैली की कुछ गलत आदतें इसके लक्षणों को बढ़ा सकती हैं। यही वजह है कि माइग्रेन से पीड़ित लोगों को अपनी दिनचर्या में कुछ सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं ऐसी कौन-सी गलतियां हैं, जो माइग्रेन के दौरान परेशानी को और बढ़ा सकती हैं।

शरीर में पानी की कमी : माइग्रेन के समय शरीर में पानी की कमी होना दर्द को बढ़ाने वाले कारणों में शामिल हो सकता है। जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलता, तो शरीर के सामान्य कामकाज पर असर पड़ सकता है और थकान, चक्कर या सिर में भारीपन जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं। पानी शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने और कोशिकाओं को सही तरीके से काम करने में मदद करता है। इसलिए दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहना जरूरी है। पानी के अलावा नारियल पानी, सूप या पानी से भरपूर फल भी शरीर में तरल पदार्थों की कमी पूरी करने में मदद करते हैं।

नींद के साथ लापरवाही करना : माइग्रेन और नींद का संबंध काफी गहरा माना जाता है। कम सोना या रोज अलग-अलग समय पर सोना शरीर की प्राकृतिक घड़ी को प्रभावित कर सकता है, जिससे कुछ लोगों में माइग्रेन का खतरा बढ़ सकता है। पर्याप्त नींद लेने से शरीर और दिमाग को आराम मिलता है। कोशिश करें कि रोजाना एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत बनाएं। आमतौर पर वयस्कों के लिए 7 से 9 घंटे की नींद फायदेमंद मानी जाती है।

ज्यादा मात्रा में चाय, कॉफी या शराब लेना : कई लोग सिरदर्द के दौरान चाय या कॉफी का सहारा लेते हैं, लेकिन कैफीन का ज्यादा सेवन कुछ लोगों में माइग्रेन को बढ़ा सकता है। वहीं शराब भी कई लोगों के लिए माइग्रेन का ट्रिगर बन सकती है। इन चीजों का ज्यादा सेवन शरीर में पानी की कमी, नींद में गड़बड़ी और तंत्रिका तंत्र पर असर डाल सकता है। हालांकि हर व्यक्ति में इसका प्रभाव अलग-अलग हो सकता है, इसलिए यह समझना जरूरी है कि कौन-सी चीज आपके माइग्रेन को बढ़ाती है। अगर किसी खास पेय पदार्थ के बाद बार-बार दर्द शुरू होता है, तो उससे दूरी बनाना बेहतर हो सकता है।

लंबे समय तक स्क्रीन देखते रहना : आज के डिजिटल दौर में मोबाइल, कंप्यूटर और टीवी का इस्तेमाल बढ़ गया है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव पड़ सकता है और कुछ लोगों में सिरदर्द की समस्या बढ़ती है। माइग्रेन के दौरान तेज रोशनी और स्क्रीन की चमक कई लोगों को परेशान कर सकती है। ऐसे में स्क्रीन की ब्राइटनेस कम रखना, बीच-बीच में आंखों को आराम देना और कुछ समय के लिए शांत वातावरण में रहना मददगार हो सकता है।

समय पर खाना न खाना और गलत खान-पान : माइग्रेन से जूझ रहे लोगों के लिए भोजन की नियमितता भी काफी महत्वपूर्ण होती है। लंबे समय तक खाली पेट रहना या अचानक खाने का समय बदलना कुछ लोगों में माइग्रेन का कारण बन सकता है।

आत्महत्या जैसे कदम उठाने के पीछे वजह पर हुआ अध्ययन

ग्रेटर नोएडा, 7 अगस्त (देशबन्धु)। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में क्लिनिकल मीट में केस प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह अध्ययन मनोचिकित्सा विभाग की डॉ. किरण जाखर और फोरेंसिक मेडिसिन विभाग की डॉ. अंजू रानी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। 32 वर्षीय विवाहित महिला को गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस), ग्रेटर नोएडा के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया, जहां कथित तौर पर जानबूझकर आत्महत्या का प्रयास किया गया था, जिसे दुर्घटना बताया गया। आपातकालीन टीम ने तुरंत उसकी हालत स्थिर की और मूल्यांकन के लिए मनोचिकित्सा विभाग में रेफर कर दिया। डॉ. किरण जाखर ने इस बात पर जोर दिया कि मूल्यांकन से पता चला कि आत्महत्या का प्रयास लंबे समय से चले आ रहे वैवाहिक कलह, घरेलू हिंसा और गंभीर अवसाद के लक्षणों के कारण हुआ था। मरीज को वर्तमान में व्यापक मनोरोग देखभाल दी जा रही है, जिसमें चिकित्सा प्रबंधन, मनोवैज्ञानिक सहायता, आत्महत्या जोखिम मूल्यांकन और परामर्श शामिल हैं, और उसकी स्थिति स्थिर है। डॉ. अंजू रानी ने जानबूझकर स्वयं को नुकसान पहुंचाने के चिकित्सा-कानूनी पहलुओं पर जोर दिया, जिसमें आत्महत्या, आत्महत्या के लिए उकसाना, महामारी विज्ञान, जोखिम कारक, तरीके, विस्तृत मूल्यांकन और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 / आधुनिक आपराधिक कानून के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 पर ध्यान केंद्रित किया।

कानूनी दायित्व अब सजा से हटकर मानसिक देखभाल और सहायता पर हो गया है केंद्रित

कार्यक्रम का मुख्य मुख्य संदेश यह रहा कि कानूनी दायित्व अब सजा से हटकर मानसिक देखभाल और सहायता पर केंद्रित हो गया है। यदि कोई व्यक्ति कठिन समय से गुजर रहा है या आत्महत्या के विचार आ रहे हैं, तो कृपया जान लें कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन किरण (1800-599-0019) के माध्यम से सहायता उपलब्ध है या आप स्थानीय संकटकालीन सेवाओं जैसे कि आसरा (91-9820466726) से संपर्क कर सकते हैं, जहां प्रशिक्षित परामर्शदाता से निःशुल्क और गोपनीय सहायता प्राप्त होगी।

कूल्हों व जांघों की जकड़न दूर करता है हनुमानासन

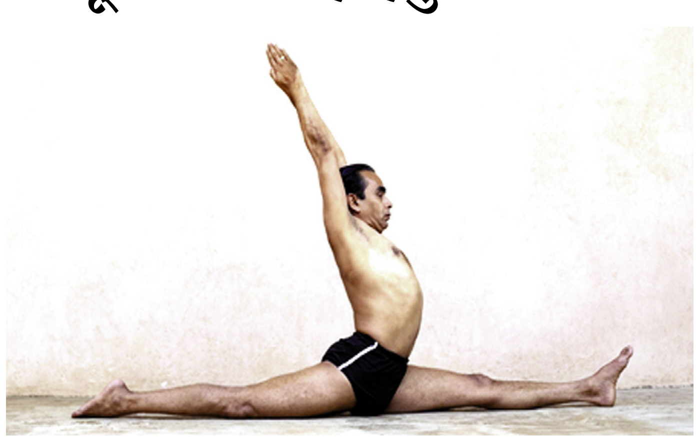

नई दिल्ली, 7 अगस्त (एजेंसियां)। दफ्तर में लगातार डेस्क पर बैठे रहने से कमर में दर्द और पैरों की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। योग के अनेक आसनों में से एक हनुमानासन प्रभावी माना जाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर का निचला भाग मजबूत और लचीला बनता है। यह आसन हठयोग का अत्यंत प्रभावी और उन्नत श्रेणी का आसन हैं। ऐसी मान्यता है कि इस आसन का नाम भगवान हनुमान के उस विशाल छलांग से लिया गया, जो उन्होंने सीता माता की खोज में लंका जाने के लिए लगाई थी।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, हनुमानासन (स्प्लिट्स पोज) शरीर के लचीलेपन और संतुलन को बढ़ाने वाला एक उन्नत आसन है। यह आसन शरीर की लचक बढ़ाने में मदद करता है और खासकर पेल्विक मसल्स को ताकत देता है। यह आसन पैरों, कूल्हों और जांघों की जकड़न को खोलता है और पूरे शरीर में ऊर्जा का संचार करता है। नियमित अभ्यास से न सिर्फ शारीरिक शक्ति बढ़ती है, बल्कि मन में एकाग्रता और धैर्य भी आता है। आइए जानते हैं हनुमानासन करने की सही विधि, फायदे और सावधानियां। इस आसन को करने से शरीर में रक्त प्रवाह का संचार होता है, जिन लोगों के शरीर में रक्त प्रवाह सही से नहीं होता, वे इसका रोजाना अभ्यास कर सकते हैं। साथ ही, यह पेट की मांसपेशियों को टाइट बनाता है, अतिरिक्त चर्बी को घटाता है, नितंबों और जांघों की चर्बी को कम करने में यह आसन बहुत फायदेमंद है। हनुमानासन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठ जाएं। दाएं पैर को आगे की ओर बढ़ाएं और सीधा रखें, हाथों का सहारा लेकर धीरे-धीरे दाएं पैर को आगे और बाएं पैर को पीछे खिसकाएं। अब शरीर के वजन को हाथों से संभालते हुए कूल्हों को नीचे जमीन की तरफ लाएं। दोनों पैर जमीन पर पूरी तरह सीधे और एक सीध में होने चाहिए। संतुलन बनने पर हथेलियों को छाती के आगे जोड़ लें। सबसे पहले जमीन पर घुटनों के बल बैठ जाएं। रीढ़ सीधी रखें। दाएं पैर को आगे की ओर सीधा बढ़ाएं। हाथों को जमीन पर टिकाकर सहारा लें। धीरे-धीरे दाएं पैर को आगे और बाएं पैर को पीछे खिसकाएं। शरीर का वजन हाथों पर रखें।

कुल्लू का शरण गांव बना हथकरघा का केंद्र

- पारंपरिक कला से खुले आमदनी के रास्ते
- 14-15 साल की उम्र में ही काम सीखना शुरू कर देते हैं कारीगर

कुल्लू, 7 अगस्त (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू के पास नाग्गर क्षेत्र की रुम्सू पंचायत में बसा शरण गांव अब अपनी हथकरघा कला के लिए जाना जाता है। साल 2020 में वस्त्र मंत्रालय ने इसे 'हथकरघा गांव' घोषित किया था। इसके बाद यहां के कारीगरों खासकर महिलाओं के लिए रोजगार और आमदनी के नए रास्ते खुले हैं।

कपड़ा मंत्रालय के एक सर्वे में पाया गया था कि शरण गांव के करीब 95 फीसदी घर पारंपरिक काठ-कुणी शैली से बने हैं और यहां के कई लोग पहले से ही हथकरघा बुनाई का काम करते हैं। इसी आधार पर गांव को हथकरघा गांव का दर्जा मिला। यहां की एक स्थानीय कारीगर ने बताया कि हथकरघा बुनाई हमारे परिवार में पीढ़ियों से होती आई है। हम आमतौर पर 14-15 साल की उम्र में ही ये काम सीखना शुरू कर देते हैं।

पहले गांव में बनने वाले पट्टू शॉल, टोपियां और अन्य ऊनी सामान सिर्फ घर के इस्तेमाल के लिए होते थे। लेकिन अब तस्वीर बदल गई है। कारीगरों के मुताबिक, स्वयं सहायता समूह की मदद से उन्हें इस इमारत में एक दुकान मिली। इसके बाद से काम बड़े स्तर पर होने लगा। उन्होंने कहा कि साल 2020 के आसपास 20 से 25 लोगों को 45 दिनों की ट्रेनिंग भी दी गई थी। इससे अब महीने की 10 से 15 हजार रुपए तक महिलाओं की कमाई हो जाती है।

महिलाओं के हाथों तैयार हो रहा तिरंगा

कानपुर। हर घर तिरंगा अभियान को इस बार कानपुर देहात की महिलाएं अपने हाथों से रंग दे रही हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े 96 स्वयं सहायता समूहों की 360 महिलाएं दिन-रात मेहनत कर करीब तीन लाख तिरंगे तैयार कर रही हैं। यह पहल सिर्फ अभियान को मजबूती नहीं दे रही बल्कि गांव की गरीब, विधवा, दिव्यांग और कम पढ़ी-लिखी महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का जरिया भी बन गई है। कानपुर देहात में हर घर तिरंगा अभियान पूरे उत्साह के साथ चल रहा है। जिले की 360 महिलाएं झंडा बनाने में जुटी हैं। हर तिरंगा 30 इंच लंबा और 20 इंच चौड़ा बनाया जा रहा है। सरकार ने इसकी निर्धारित कीमत 20 रुपए रखी है।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

• किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।

• भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।

• मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।

• जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

• मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।

• अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।

• भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।

• आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।

• जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।

• राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DEL.HIN/2003/09049

हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

इंडियन आर्मी आइस हॉकी टीम ने जीता चैलेंजर्स कप का खिताब, रोमांचक फाइनल में लेह किंग्स को 6-5 से हराया

लेह (लद्दाख), 07 अगस्त (हि.स.)। इंडियन आर्मी आइस हॉकी टीम ने रोमांचक फाइनल में लेह किंग्स को 6-5 से हराकर उद्घाटन रॉयल एनफील्ड चैलेंजर्स कप का खिताब अपने नाम कर लिया। नवान्ग दोरजे स्टोबदान (एनडीएस) स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में अंतिम क्षणों तक कांटे की टक्कर देखने को मिली।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग से उभरे खिलाड़ियों से सजी लेह किंग्स ने देश की सबसे मजबूत आइस हॉकी टीम को कड़ी चुनौती दी। मैच का निर्णायक गोल पद्मा नामग्याल ने अंतिम क्षणों में फुंटसोग नामग्याल के पास पर दागकर इंडियन आर्मी को 6-5 की जीत दिलाई।

लेह किंग्स ने मुकाबले की शानदार शुरूआत की। त्सेरिंग अंगचुक ने मुश्ताक अहमद गिरी के पास पर पहला गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि इंडियन आर्मी ने तुरंत जवाब देते हुए दोरजे अंगचुक और जिगमत कुंजांग के गोल की बदौलत पहला पीरियड 2-1 की बढ़त के साथ समाप्त किया। दूसरे पीरियड की शुरूआत में रिगजिन नोरबू ने गोल कर बढ़त 3-1 कर दी, लेकिन लेह किंग्स ने हार नहीं मानी। स्टांजिन अंगचोक ने लगातार दो गोल दागकर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया। इसके बाद रिगजिन नोरबू ने इंडियन आर्मी को फिर बढ़त दिलाई, लेकिन चंबा त्सेतन के गोल से लेह किंग्स ने स्कोर 4-4 कर दिया।

तीसरे और अंतिम पीरियड की शुरूआत में स्टांजिन अंगचोक ने हैट्रिक पूरी करते हुए लेह किंग्स को 5-4 की बढ़त दिला दी। दबाव की

स्थिति में इंडियन आर्मी ने अनुभव का परिचय दिया। जिगमत कुंजांग ने स्कोर बराबर किया और फिर पद्मा नामग्याल ने विजयी गोल कर टीम को ऐतिहासिक खिताब दिला दिया। टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए इंडियन आर्मी के सोनम त्सेतन को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया, जबकि लेह किंग्स के त्सेरिंग अंगचुक को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। यह प्रतियोगिता रॉयल एनफील्ड सोशल मिशन, लद्दाख आइस हॉकी संघ और लाहौल-स्पीति आइस हॉकी संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। इसमें इंडियन आर्मी, आईटीबीपी की सेंट्रल आइस हॉकी टीम, लेह किंग्स, कारगिल वॉरियर्स और स्पीति टाइटंस सहित पांच टीमों ने हिस्सा लिया। लीग चरण के बाद शीर्ष दो टीमों ने फाइनल में जगह बनाई।

इंडियन आर्मी आइस हॉकी टीम के कप्तान त्सेवांग नामग्याल ने कहा, ''हम बड़े दर्शक समूह के सामने खेलने के आदी हैं, लेकिन लद्दाख और स्पीति के युवा खिलाड़ियों के लिए यह अनुभव जीवन बदलने वाला हो सकता है। पर्यटन सीजन के दौरान इस टूर्नामेंट के आयोजन से हजारों दर्शकों ने पहली बार आइस हॉकी देखी और स्थानीय खिलाड़ियों की प्रतिभा को करीब से जाना। इससे खिलाड़ियों को पहचान मिली और दुनिया के सामने हिमालय में विकसित हो रही भारतीय आइस हॉकी की नई तस्वीर उभरकर आई। लेह की अत्याधुनिक ऑल-सीजन आइस रिंक पर आयोजित छह दिवसीय इस टूर्नामेंट में 15 हजार से अधिक दर्शकों ने मुकाबलों का आनंद लिया। आयोजकों का मानना है कि यह प्रतियोगिता हिमालयी क्षेत्र में आइस हॉकी के विकास और युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

भारतीय गेंदबाज रहे बेअसर, श्रीलंका के बल्लेबाजों का दबदबा

श्रीलंका इलेवन टीम ने आठ विकेट खोकर ठोके 363 रन

● कोलंबो / (एजेंसी)

भारतीय टीम कोलंबो में श्रीलंका इलेवन के खिलाफ वॉर्म अप मैच खेल रही है। मुकाबले के पहले दिन श्रीलंका इलेवन ने 363 रन ठोक दिए। भारतीय टीम ने 8 विकेट तो लिए लेकिन कोई भी गेंदबाज बल्लेबाजों को परेशान नहीं कर पाया।

दिन में 90 ओवर का खेल हुआ। भारत की तरफ से 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल हुआ और इसमें 5 ने 4 से ज्यादा की इकोनॉमी से रन दिए। गर्दन में परेशानी की वजह से शुभमन गिल की जगह केएल राहुल इस मैच में भारत की कप्तानी कर रहे हैं। टॉस जीतने के बाद पहले खेलने उतरी श्रीलंका इलेवन को निशान मदुश्का और रविंदु रसंथा की जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई।

दोनों ने पहले विकेट के लिए 20.4 ओवर में 110 रन जोड़े। निशान ने 65 गेंदों पर 11 चौके और एक छक्का लगाकर 66 रन बनाए। वह रन आउट होकर पवेलियन लौटे। पहले सेशन में भारत के सिर्फ एक विकेट गिरा। रविंदु ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। रविंद्र जडेजा ने पसिंदु सूरियाबंडारा को (35) को आउट करके भारत को दूसरी सफलता दिलाई। रविंदु 71 रन बनाकर तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए।पवन रत्नायके ने 39 और अहान विक्रमसिंघे ने 31 रनों की पारी खेली।

श्रीलंकाई कप्तान सोनल ने भी फिफ्टी ठोकी

इसके बाद मानव सुथार ने कप्तान सोनल दिनुशा का विकेट ले लिया। उन्होंने 52 रनों की पारी खेली। अपनी 71 गेंदों की पारी में उन्होंने 5 चौके और एक छक्का लगाया। स्टंप के समय केशरा नुवंता 9 जबकि दिलुम सुदीरा एक रन बनाकर खेल रहे थे। भारत के लिए रविंद्र जडेजा के साथ ही कुलदीप यादव और मानव सुथार ने 2-2 विकेट लिए जबकि गुरनूर बरार को एक विकेट मिला।

फील्डर्स ने अहम कैच टपकाए

गेंदबाजों की असफलता के साथ-साथ भारतीय फील्डरों ने भी ढचर रवैया अपनाकर टीम की फजीहत कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मैच के दौरान भारत ने एक के बाद एक दो अहम कैच टपकाए। पहला मौका कुलदीप यादव की गेंद पर बना जब 44 रन पर खेल रहे रवींदु रसंथा का कैच कप्तान केएल राहुल ने अपने दाएं हाथ से लपकने की कोशिश की लेकिन गेंद उनके हाथ से निकल गई। इसके कुछ ही देर बाद सिली पॉइंट पर खड़े देवदत्त पडिक्कल ने रसंथा का ही एक और आसान सा कैच छोड़ दिया जिससे भारतीय फील्डिंग का स्तर पूरी तरह उजागर हो गया।

गिल नहीं खेल रहे अभ्यास मैच, चोट के कारण बाहर

भारतीय क्रिकेट टीम को एक झटका लगा है। टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका क्रिकेट इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच में नहीं उतरे हैं। उनकी जगह केएल राहुल कप्तानी कर रहे हैं। गिल चोट के कारण मैदान से दूर हैं जिससे टीम की टेंशन बढ़ गई है। बीसीसीआई ने बताया है कि गिल को उंगली में चोट है और इसी कारण वह इस मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरे हैं, लेकिन चिंता इस बात की है कि गिल की चोट कहीं ज्यादा गंभीर तो नहीं है।बीसीसीआई ने बताया है कि गिल इस समय मेडिकल टीम की देखरेख में हैं और वह कप्तान की चोट पर नजर रखे हुए है। बीसीसीआई के मुताबिक गिल को पहले दिन मैदान पर न उतारने का फैसला एहतियात के तौर पर लिया गया है।

टेस्ट सीरीज में दर्शकों की होगी फ्री एंट्री

श्रीलंका क्रिकेट की तरफ से एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि श्रीलंका और इंडिया के बीच आने वाली टेस्ट सीरीज में दर्शकों की एंट्री फ्री होगी। इससे क्रिकेट फैंस को वर्ल्ड-क्लास टेस्ट देखने का एक शानदार मौका मिलेगा। दर्शकों को बिना किसी रुकावट के आने जाने के लिए श्रीलंका क्रिकेट द्वारा दोनों मैदानों पर खास एंट्री पॉइंट तय किया गया है। गॉल मैच देखने आने वाले दर्शकों को गेट नंबर 4 से फ्री एंट्री मिलेगी। जबकि कोलंबो में फैंस गेट 3, 4, 5 और 7 से ग्राउंड में जा सकते हैं।

रोड्रिगिन्हो के 5 गोल से एससी दिल्ली जीती

डिफेंडर्स एफसी को 7-0 से रौंदा

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

ब्राजील के स्ट्राइकर रोड्रिगिन्हो ने अपने पहले ही मुकाबले में पांच गोल दागकर 135वें इंडियनऑयल डूरंड कप में धमाकेदार आगाज किया। उनकी शानदार फिनिशिंग की बदौलत एससी दिल्ली ने ग्रुप-सी के मुकाबले में डिफेंडर्स एफसी को 7-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ एससी दिल्ली ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए दो मैचों में छह अंक हासिल कर ग्रुप में शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया और क्वार्टर फाइनल की दावेदारी मजबूत कर ली। वहीं, डिफेंडर्स एफसी लगातार तीसरी हार के साथ बिना अंक के टूर्नामेंट से बाहर हो गई। बिरसा मुंडा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एससी दिल्ली ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। रोड्रिगिन्हो ने छठे, आठवें और 12वें मिनट में गोल कर महज 13 मिनट में हैट्रिक पूरी कर दी। इसके बाद 34वें मिनट में मोहम्मद ऐमेन ने गोल कर पहले हाफ में ही स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे हाफ में डिफेंडर्स एफसी ने कुछ हद तक बेहतर रक्षात्मक खेल दिखाया, लेकिन एससी दिल्ली का

रोड्रिगिन्हो के शामिल होने से बढ़ा रोमांच

पूरे मैच में एससी दिल्ली ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रामक खेल दिखाया। रोड्रिगिन्हो का पांच गोल का प्रदर्शन इस सत्र के डूरंड कप के सबसे यादगार व्यक्तिगत प्रदर्शनों में शामिल हो गया और भारतीय फुटबॉल में उनके आगमन को बेहद खास बना दिया।

दबाव लगातार बना रहा। 89वें मिनट में रोड्रिगिन्हो ने अपना चौथा गोल किया। इंजुरी टाइम के दूसरे मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी जुआन सेबास्टियन पेना ने छठा गोल दागा।

रहाणे यूरोपीय टी20 लीग से जुड़ेंगे

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है।

उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।

हॉकी विश्व कप में कोई भारतीय अंपायर नहीं

● नइ दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय दिग्गजों ने नीदरलैंड्स और बेल्जियम में 15 अगस्त से शुरू हो रहे विश्व कप में तीन दशक बाद एक भी भारतीय अंपायर नहीं होने पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि अंपायरों की संख्या बढ़ाने के बजाय गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। 1998 में नीदरलैंड्स के यूट्रेक्ट में हुए विश्व कप के बाद पहली बार टूर्नामेंट के अंपायरों या तकनीकी अधिकारियों में किसी भारतीय को स्थान नहीं मिला है। इस बार सूची में यूरोपीय देशों का दबदबा है।

पूर्व अंपायरों ने जताई नाराजगी

पहले अस्मिता नेशनल का छोटे तालाब पर आयोजन आज से

● भोपाल / (एजेंसी)

मध्य प्रदेश कयाकिंग एवं केनोइंग संघ व भारतीय खेल प्राधिकरण तथा भारतीय क्याकिंग एवं केनोइंग संघ के तत्वावधान में 8 से 9 अगस्त तक भोपाल स्थित जलक्रीड़ा केन्द्र छोटे तालाब पर प्रथम अस्मिता नेशनल का आयोजन किया जा रहा है।

यह प्रतियोगिता इसी वर्ष भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा शुरू की गई थी, जिसमें मध्यप्रदेश क्याकिंग संघ को अस्मिता नेशनल का दायित्व सौंपा गया। इस संबंध में चेयरपर्सन मयंक ठाकुर ने जानकारी दी है कि खिलाड़ियों के रहने की आवास व्यवस्था का चयन तकनीकी समिति द्वारा किया जा चुका है।

हेड ने लगातार दूसरी बार जीता एलन बॉर्डर मेडल

● नइ दिल्ली / (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने शानदार 2025-26 अंतरराष्ट्रीय सत्र के लिए लगातार दूसरी बार प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल अपने नाम कर लिया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पुरस्कार समारोह में हेड ने बेहद करीबी मुकाबले में विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी को सिर्फ एक वोट से पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की। हेड ने पिछले सत्र में तीनों प्रारूपों में कुल 30 मैच खेले और 1437 रन बनाए। उनके शानदार प्रदर्शन में पर्थ में एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में 83 गेंदों पर खेली गई 123 रन की मैच विजयी पारी और एडिलेड टेस्ट में बनाए गए 170 रन विशेष रहे।

एसवीएम 19 वर्ष बालक वर्ग के फाइनल में

एसजीएफआई जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता

● भोपाल / (एजेंसी)

सेज इंटरनेशनल स्कूल में एसजीएफआई जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 के दूसरे दिन विभिन्न आयु वर्गों में रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता के 19 वर्ष बालक वर्ग में पहले सेमीफाइनल मुकाबले में एसवीएम ने मॉडल स्कूल को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में कार्मल कॉन्वेंट, रतनपुर ने डीपीएस कोलार को हराकर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की। इसके अलावा 19 वर्ष बालिका वर्ग के पहले सेमीफाइनल में सेंट मोंटफोर्ट स्कूल ने आईपीएस स्कूल को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
266 = 4	370 = 0
680 = 4	348 = 5
शुभांक	
दिन	रात
113 = 5	250 = 7
126 = 9	580 = 3
भाग्यांक	
0 4	8 9

www.kalyangame.com

क्रिकेटर रमनदीप ने 7 साल बड़ी चार्ली चौहान से की शादी

रमनदीप सिंह केकेआर टीम का हिस्सा हैं

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेटर रमनदीप सिंह शादी ने शादी कर ली है। रमनदीप घरेलू क्रिकेट में पंजाब के लिए खेलते हैं। वह आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम का हिस्सा हैं। पंजाब किंग्स की फ्रेंचाइजी ने रमनदीप की शादी के फोटो सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं।

29 साल के रमनदीप सिंह ने चार्ली चौहान से शादी की है। यह एक प्राइवेट सेलिब्रेशन था जिसमें परिवार के करीबी सदस्य और निजी दोस्त शामिल हुए। दोनों की शादी पारंपरिक पंजाबी रीति-रिवाजों से हुई। चार्ली चौहान टेलीविजन की दुनिया की जानी मानी नाम हैं। वह कैसी ये यारियां और बेस्ट फ्रेंड्स फॉरएवर जैसे हिट शो के

में काम कर चुकी हैं। उन्होंने डांसर कुंवर अमर के साथ डांस रियलिटी शो नच बलिए में हिस्सा लिया था।

भारतीय टीम के लिए खेल चुके हैं रमनदीप

ऑलराउंडर रमनदीप सिंह की उम्र 29 साल है। वहीं शिमला में जन्मी चार्ली चौहान 36 साल की हैं। दोनों की उम्र में 7 साल का अंतर है। चार्ली ने 2009 में एमटीवी रोडीज में भी हिस्सा लिया था। रमनदीप सिंह भारतीय टीम के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट भी खेल चुके हैं। उनके नाम दो टी20 इंटरनेशनल मैच में 15 रन और एक विकेट है। उन्होंने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर की पहली ही गेंद पर छक्का मारा था।

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड विजेता अस्मिता बनेंगी डीएसपी

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए जुडो खिलाड़ी अस्मिता डे ने इतिहास रचा। अब अस्मिता को जल्द ही बड़ी

जिम्मेदारी मिलने वाली है। उत्तर प्रदेश पुलिस उन्हें प्रमोट कर डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) बनाने की तैयारी कर रही है। अस्मिता फिलहाल यूपी पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के पद पर हैं। 23 साल की अस्मिता ने ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा था। वह कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली जुडो खिलाड़ी बनीं।

खुलासा — बाबर द्वारा इंटरव्यू देने से मना करने का झूठा मामला

पठान बोले, पाक मीडिया ने मेरी और बाबर आजम की फर्जी खबर चलाई

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने पाकिस्तानी मीडिया के झूठ की पोल खोल दी है। उन्होंने ऑन कैमरे उनको लेकर फैलाई गई झूठी खबर का सच उजागर किया है।

इरफान ने कहा है कि पाक मीडिया द्वारा झूठी खबर फैलाए जाने के बाद उनको ट्रोल किया गया था और तब से वह किसी भी चीज पर प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। पठान ने कहा कि आज के समय में ट्रोलिंग और झूठी खबरें फैलाना काफी आम बात हो गई है। इरफान ने एक चर्चा में बताया कि उनके बारे में झूठी खबर ये फैलाई गई थी कि बाबर आजम ने एक मैच के बाद उनको इंटरव्यू देने से मना कर दिया था। पठान ने कहा कि ऐसा नहीं हुआ था और कुछ लोगों ने किसी और के फोटो पर

उनकी फोटो लगाकर झूठी खबर फैला दी थी। इरफान ने कहा, ट्रोलिंग और फर्जी नाम जोड़ना आज के समय में हर दिन होता है। हमारे पड़ोसी देश की मीडिया ने एक बार खबर चला दी थी कि मैं बाबर आजम के इंटरव्यू के लिए गया था और उन्होंने इंटरव्यू देने से मना कर दिया। उनके मुताबिक, बाबर ने कहा था कि वह हमारे देश का मजाक उड़ाते हैं तो मैं उन्हें इंटरव्यू नहीं दूंगा।

हर दिन हमारे नाम पर झूठ बोला जाता है...

इरफान ने कहा कि किसी और की फोटो पर उनकी फोटो चिपकाकर झूठी खबर फैलाई गई। उन्होंने बताया,असली फोटो में जो रिपोर्टर था वो बांग्लादेश का था जो पहली बार मैदान पर गया था और उसे इंटरव्यू के लिए मना कर दिया गया था। उन्होंने उसके शरीर पर मेरा फोटो पर लगा दिया था। इसके लाखों में व्यूज आए और लोगों ने मान लिया था कि ये मैं हूं। ये हर दिन हो रहा है, लेकिन मैं रिस्पॉंस नहीं करता। हर दिन हमारे नाम पर झूठ बोला जाता है। अगर आप इस पर प्रतिक्रिया देते रहोगे तो अपना जीवन नहीं जी पाओगे।

सेट पर रश्मिका मंदाना को लगी गंभीर चोट? डांस सीक्वेंस के दौरान हुआ हादसा

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को एक डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान गंभीर चोट लगी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनके कूल्हे में गंभीर चोट आई है, जिसके चलते अभिनेत्री को करीब छह हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई है। चोट उनकी आने वाली फिल्म के मुश्किल एक्शन और डांस सीक्वेंस के दौरान लगी है।

शूटिंग पर लौटने में लगेगा वक्त

खबरों के मुताबिक, एक डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के कूल्हे की टेंडन पूरी तरह से अलग हो गई। इस चोट की वजह से उन्हें छह हफ्ते आराम और रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई है। इसके चलते अभिनेत्री को वापस शूटिंग पर लौटने में अब कुछ समय लगेगा। बता दें कि रश्मिका इन दिनों फिल्म 'रणबाली' और 'मैसा' की तैयारियों में व्यस्त हैं।

मेडिकल एक्सपर्ट्स ने चोट की गंभीरता पर हैरानी जताई है। उनका कहना है कि ऐसे मामले आमतौर पर प्रोफेशनल एथलीट्स में ही देखने को मिलते हैं। रश्मिका को लगी चोट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्मों की शूटिंग में कितना ज्यादा शारीरिक जोर लगाना पड़ता है। खबरों के अनुसार, डॉक्टरों ने रश्मिका को एक व्यवस्थित रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजरने की सलाह दी है, ताकि शूटिंग फिर से शुरू करने से पहले वे पूरी तरह स्वस्थ हो सकें।

रश्मिका मंदाना का वर्क फ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेता विजय देवरकोंडा से शादी के बाद उन्होंने अपनी नई फिल्म 'मैसा' की शूटिंग फिर से शुरू कर दी है। 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं, जबकि इसे अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है। रश्मिका इसमें एक गोंड महिला की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा वे अपने एक्टर-पति विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी।

सलमान खान की एक सलाह और पूरी तरह बदल गई कियारा आडवाणी की जिंदगी

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा। दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं।

कियारा आडवाणी का जन्म 31 जुलाई 1991 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। उनके पिता जगदीप आडवाणी एक बिजनेसमैन हैं, जबकि मां जेनेविव जाफरी टीचर हैं। कियारा ने मुंबई से स्कूली पढ़ाई पूरी की और फिर मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। अभिनय में आने से पहले उन्होंने अपनी मां के प्री-स्कूल में छोटे बच्चों को पढ़ाया भी। वह बच्चों को कविताएं सुनाती थीं और उनकी देखभाल करती थीं। कियारा का कहना है कि इस अनुभव ने उन्हें जिम्मेदारी और धैर्य सिखाया।

जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। इंडस्ट्री में काम न मिलने पर वह काफी निराश हो गईं। उन्हें लगा कि शायद उनका फिल्मी करियर आगे नहीं बढ़ पाएगा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करती रहीं। साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें 'एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी' में साक्षी धोनी का

किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'भारत अने नेनु' में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'कबीर सिंह' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई 'गुड न्यूज' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला।

इसके बाद कियारा ने 'गिल्टी', 'लक्ष्मी', 'इंदू की जवानी', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुगजुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' और 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। 'शेरशाह' और 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

श्वेता तिवारी से रिया चक्रवर्ती तक 'ट्रेटर्स 2' में आएंगी नजर

रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का एलान होने के बाद से दर्शकों के मन में सवाल है कि इस बार मुकाबला किस-किसके बीच होगा? गुरुवार को प्राइम वीडियो के 'ट्रेटर्स 2' के प्रतियोगियों का एलान किया गया है। बता दें कि पहले सीजन की तरह इस बार भी करण जौहर बतौर होस्ट कमान संभालेंगे।

कौन-कौन लेगा शो में हिस्सा

इस सीजन में दर्शकों को मल्लिका शेरावत, रिया चक्रवर्ती, मुनव्वर फारुकी, क्रिस्टल डिसूजा, पारुल गुलाटी, रणवीर बराड़, शाहनील गिल, दलीप ताहिल, हरमन सिंह, शालिनी पासी, अभिषेक मल्हान, आदित्य कुलश्रेष्ठ, श्वेता तिवारी, रिदा थराना, अंश चोपड़ा, इक्का और तान्या पुरी समेत अन्य लोगों के बीच खेल का मुकाबला होता दिखेगा। प्राइम वीडियो के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया गया है। इसमें मेकर्स ने प्रतिभागियों के नाम का एलान किया है। साथ में लिखा है, 'खिलाड़ियों से मिलिए, लेकिन उन पर भरोसा अपने रिस्क पर ही कीजिएगा। 'द ट्रेटर्स' का नया सीजन आ रहा है। 13 अगस्त से हर गुरुवार को'।

दूसरे सीजन में और भी होगा ड्रामा

'द ट्रेटर्स' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रियलिटी शो फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है। नए सीजन के बारे में बात करते हुए प्राइम वीडियो इंडिया ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड, निखिल मधोक ने कहा, 'शो 'द ट्रेटर्स' के पहले सीजन को जो प्रतिक्रिया मिली, वह बहुत शानदार रही। इसने न सिर्फ लोगों का मनोरंजन किया, बल्कि यह एक कल्चरल मोमेंट भी बन गया'।

अभिनेत्री अविका गोर ने बताया किस तरह के रोल करना चाहती हैं

चर्चित टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के तौर पर लोगों का दिल जीतने से लेकर मुश्किल रियलिटी शो और फिल्मों में काम करने तक, अदाकारा अविका गोर ने दर्शकों का खूब दिल जीता। उनका कहना है कि अब वे अपनी दमदार परफॉर्मेंस के जरिए पहचान पाना चाहती हैं। वे चाहती हैं कि उन्हें शानदार भूमिकाओं के लिए दर्शक याद रखें। यही वजह है कि वे किरदारों का चयन भी काफी सोच-समझकर कर रही हैं।

पहले से ज्यादा जागरुक हो गई हैं अविका

बातचीत में अविका ने कहा कि वे सिर्फ ऐसे रोल नहीं करना चाहतीं, जिनमें किसी ऑब्जेक्ट की तरह दिखें। अविका स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आ रही हैं, जो आज 01 अगस्त से शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि वे ऐसी स्क्रिप्ट चुनने को लेकर ज्यादा जागरूक और सतर्क हो गई हैं, जिनमें दमदार परफॉर्मेंस का मौका मिले।

उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ यह मानती हूं कि लोग मुझसे बहुत अच्छी परफॉर्मेंस की उम्मीद करते हैं। कुछ ऐसे किरदार हैं, जो मैं अपनी फिल्मों में करती रहती हूं, जहां मुझे अभिनय करने का मौका मिलता है। मुझे यह दिखाने का मौका मिलता है कि मैं एक कलाकार के रूप में क्या करने में सक्षम हूं। इसलिए मुझे लगता है कि मेरा ध्यान हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने, सही किरदार चुनने पर होता है, जहां मुझे फिल्म में फर्नीचर बनने से ज्यादा कुछ करने का मौका मिलता है। यही वजह है कि मैं हमेशा सही स्क्रिप्ट चुनने और सही किरदार चुनने को लेकर बेहद सचेत रहूंगी'।

दर्शकों और फैंस को कहा शुक्रिया

टीवी शो 'बालिका वधू' में आनंदी के किरदार से मशहूर हुई अविका ने कहा कि लगभग दो दशक बाद भी शो की लगातार लोकप्रियता के लिए वे शुक्रगुजार महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं शुक्रगुजार महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि मैंने कुछ खास किया है। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि दर्शक आज भी उन्हें उस यादगार किरदार के तौर पर पहचानते हैं'। शो में बिताए अपने समय को याद करते हुए अविका ने कहा कि किसी ने भी नहीं सोचा था कि 'बालिका वधू' इतनी बड़ी और यादगार टीवी सीरीज बन जाएगी।

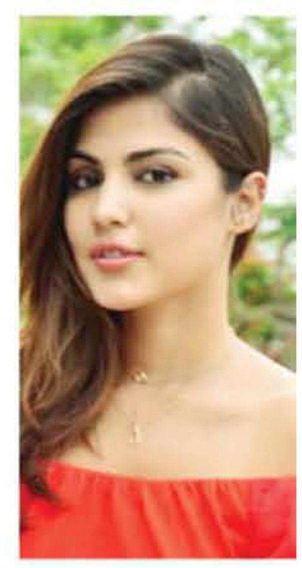

इंडस्ट्री में औरतों संग भेदभाव, नहीं मिलता क्रेडिट, शो पर भी तोड़ी चुप्पी

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री में औरतों को लेकर भेदभाव किया जाता है। उन्हें उतना क्रेडिट नहीं दिया जाता, जितना वो डिजर्व करती हैं। शो के बारे में भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, बबीता जी का रोल निभाकर घर-घर में पहचानी जाने लगीं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान के लिए उन्हें अधिक पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि वे शो और अपने किरदारों में बहुत योगदान देती हैं। TMKOC के 18 साल पूरे होने के मौके पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुनमुन ने अपनी महिला को-स्टार्स के लिए तारीफ जाहिर की। उन्होंने उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। एक्ट्रेस ने खुद को मजबूत फेमिनिस्ट बताया और कहा कि उन्होंने शो में दूसरी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा।

उन्होंने कहा, 'मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुराने ख्यालों वाली इंसान हूं। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूं। मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर बढ़ना होगा। मुझे यहां किसी से भी कभी असुरक्षा महसूस नहीं हुई।' मुनमुन ने शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के सदस्यों की तारीफ की और कहा कि शो की कामयाबी में सभी का अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी कास्ट में कुछ बेहतरीन सदस्य हाल ही में शामिल हुए हैं और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से शानदार काम कर रहा है।' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी महिला साथियों का खास जिक्र किया।

'तारक मेहता' की एक्ट्रेसेस अलग

उन्होंने गोकुलधाम सोसाइटी की महिलाओं का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की अलग-अलग तारीफ की और उनके साथ काम करने के अनुभव को शानदार, समझदार और बेहतरीन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शो की कामयाबी का पूरा श्रेय उन्हें नहीं मिलता, लेकिन वे शो और इस मशहूर सिटकॉम में अपने किरदारों में बहुत कुछ नया और खास जोड़ती हैं।

महिलाओं को कम आंका जाता है

उन्होंने कहा, 'मैं इन शानदार महिलाओं के साथ काम करके बहुत खुश हूं। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है और मुझे लगता है कि वे सभी कमाल की हैं।' मुनमुन ने यह भी कहा कि शो की सफलता में बराबर का योगदान देने के बावजूद महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार होती हैं। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी महिलाओं को उतना महत्व नहीं दिया जाता।'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 18 साल पूरे

उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के बीच आपसी तालमेल और प्रोफेशनलिज्म की वजह से ही यह सिटकॉम लगभग दो दशकों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। मुनमुन ने कहा, 'हम सभी रोज आते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और पूरी ईमानदारी और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम करते हैं। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हम सच में एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं।' जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 28 जुलाई को 18 साल पूरे करने के बाद 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक बन गया है।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
refresh
Premium
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630